RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:326 ता. 21 जून 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

कांग्रेस ने नड्डा, अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ करायी शिकायत दर्ज

बेंगलुरू। कर्नाटक कांग्रेस ने पार्टी नेता राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट करने के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ शहर की पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

कांग्रेस ने इसके अलावा चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष अरुण सूद के खिलाफ श्री गांधी का एक एनिमेटेड वीडियो जारी करने के लिए भी शिकायत दर्ज की गई है, जिसमें दावा किया गया है कि कांग्रेस देश विरोधी गतिविधियों में शामिल है। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के प्रवक्ता रमेश बाबू ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 505 (2), 553 (ए), 120 (बी), 34 के तहत शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा क श्री मालवीय ने 17 जून को अपने आधिकारिक अकाउंट से वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें दावा किया गया था कि श्री गांधी भारत के बाहर अपनी यात्राओं पर राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होते हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और श्री गांधी देश को तोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने भाजपा द्वारा चलाए जा रहे झूठ की फैक्टरी को बंद करने का फैसला किया है। भाजपा इससे बच सकती, क्योंकि यहां उनकी सरकार थी। तब तथ्य-जांच इकाई बंद हो गई थी। अब तथ्य-जांच इकाई को मजबूत किया जाएगा। मैं (प्रियांग खड़गे) पहले ही मुख्यमंत्री से बात कर चुका हूं। खड़गे ने कहा कि सर्वश्री नड्डा, मालवीय और सूद जैसे लोगों को उनके द्वारा अपने खातों से फैलाए गए 'झूठ' को साबित करना होगा।

5 राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी की रणनीति, यहां कोई सीएम फेस नहीं, लोकल मुद्दों पर फोकस होगा

मई 2023 में कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में दोबारा सरकार नहीं बना सकी। कांग्रेस ने यहां बहुमत हासिल किया था।

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत 5 राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने रणनीति तैयार कर ली है। इसमें दो बातें अहम हैं। पहली यह कि पांचों राज्यों में चुनाव सामूहिक नेतृत्व में लड़ा जाएगा। यानी किसी भी नेता को सीएम फेस के रूप में प्रोजेक्ट नहीं किया जाएगा। दूसरी बात यह कि स्थानीय मुद्दों पर फोकस रहेगा।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि छग, राजस्थान और तेलंगाना में सीएम प्रोजेक्ट नहीं किया जाएगा। मप्र और मणिपुर में भाजपा की सरकार है, इसलिए वहां सीएम का चेहरा प्रोजेक्ट करने की जरूरत नहीं है। क्या मप्र में शिवराज के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा? इस सवाल पर भाजपा के एक महासचिव ने कहा कि सामूहिक नेतृत्व में सीएम, पूर्व सीएम और सभी बड़े नेता आते हैं।

मप्र : पूरे भाजपा काल की उपलब्धियां बताएंगे

भाजपा मप्र में किन उपलब्धियों को आगे रखकर चुनाव में उतरेगी? इस सवाल पर एक वरिष्ठ ने कहा- 'पिछले 4 साल में राज्य सरकार ने क्या किया, यही मुद्दा नहीं है। शिवराज के पूरे शासनकाल में मप्र किस तरह 'बीमारू प्रदेश' का दाग मिटाने में कामयाब रहा, लोगों को यह बताएंगे। किस उपलब्धि को कैसे रखना है, अभी नहीं बता सकते।'

राजस्थान : दलितों-पिछड़ों की दुर्दशा जैसे मुद्दे उठेंगे

भाजपा महासचिव अरुण सिंह ने बताया कि राजस्थान में दलितों-पिछड़ों की दुर्दशा, महिलाओं का उत्पीड़न, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और वादाखिलाफी प्रमुख मुद्दे हैं। हम इन्हें चरणबद्ध तरीके से उठाएंगे और बताएंगे कि सरकार बदलने के बाद हम इन मुद्दों पर कैसे काम करेंगे।

भोपाल में आयोजित कार्यक्रम ऊर्जावान कार्यकर्ताओं से संवाद का बनेगा साक्षी : मोदी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी 27 जून को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं से होने वाले उनके संवाद के संबंध में कहा है कि ये कार्यक्रम पार्टी के ऊर्जावान कार्यकर्ताओं से संवाद का साक्षी बनेगा।

श्री मोदी ने कल देर रात अपने ट्वीट में कहा कि 27 जून को भोपाल में आयोजित 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' कार्यक्रम हमारी सकारात्मक राजनीति को एक नया संकल्प और एक नई शक्ति प्रदान करने वाला है। यह दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए समर्पित भाजपा के लाखों ऊर्जावान कार्यकर्ताओं से संवाद का साक्षी बनेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी आगामी 27 तारीख को प्रदेश के एक दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। इस दिन वे देश भर की लोकसभाओं से चयनित पार्टी के कार्यकर्ताओं से संवाद करने वाले हैं। पार्टी ने इस कार्यक्रम के लिए देश भर की लोकसभाओं में प्रत्येक से पांच-पांच कार्यकर्ताओं का चयन किया है। मोदी के इसी ट्वीट को कोट करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं की ऊर्जा और संकल्प शक्ति से 27 जून का दिन स्वर्णिम अक्षरों में अंकित होने वाला है। भोपाल में आयोजित मेरा बूथ, सबसे मजबूत कार्यक्रम पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं को एक नई दिशा देगा।

भगवान नहीं, भक्त हैं बजरंगबली, उन्हें भगवान हमने बनाया; मनोज मुंतशिर के बयान पर मचा बवाल

नई दिल्ली। प्रभास और कृति सेनन की फिल्म 'आदिपुरुष' विवादों में फंसती चली जा रही है। पहले फिल्म के सीन्स और डायलॉग्स की आलोचना हो रही थी। वहीं अब मनोज मुंतशिर के बयान पर बवाल मचा हुआ है। दरअसल, हाल ही में 'आदिपुरुष' के डायलॉग राइटर मनोज मुंतशिर ने यह दावा किया है कि 'हनुमान जी, भगवान नहीं भक्त हैं'। जब से मनोज मुंतशिर का यह बयान सामने आया है तब से सोशल मीडिया पर उन्हें बुरी तरह ट्रोल किया जा रहा है।

यह था मनोज मुंतशिर का पूरा बयान

'आदिपुरुष' की रिलीज के बाद से ही मनोज मुंतशिर की आलोचना हो रही है। लोगों को उनके द्वारा लिखे गए डायलॉग्स खासकर बजरंगबली के

डायलॉग्स पसंद नहीं आ रहे हैं। ऐसे में मनोज मुंतशिर ने आज तक को दिए इंटरव्यू में अपना बचाव करते हुए कहा, बजरंगबली ने श्री राम की तरह संवाद नहीं किए हैं। क्योंकि वे भगवान नहीं, भक्त हैं। हमने उन्हें भगवान बनाया है क्योंकि उनकी भक्ति में वो पावर था।

यूजर्स ने किया रिएक्ट

मनोज मुंतशिर के इस बयान की वजह से लोग और भड़क गए हैं। वे सोशल मीडिया पर ट्वीट कर मनोज मुंतशिर को इंटरव्यू न देने की सलाह दे रहे हैं। एक ने लिखा, सबसे पहले मनोज मुंतशिर को इंटरव्यू देना बंद कर देना चाहिए। दूसरे ने कहा, अपनी जांच करवाओ। तीसरे ने लिखा, हनुमान जी भगवान शिव के अवतार थे, इस मूर्ख व्यक्ति के पास दिमाग नहीं है और यह रामायण के संवाद लिख रहा है। चौथे यूजर ने लिखा, ÷कृपया कोई इसे चुप कराओ।

3 सुझाव और साथ का भरोसा, दिल्ली में क्राइम पर अरविंद केजरीवाल का एलजी को लेटर

नई दिल्ली। दिल्ली में एक के बाद एक कई हत्याओं के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एलजी वीके सक्सेना को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली का हर नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहा है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में कानून-व्यवस्था के लिए एलजी और गृह मंत्री को जिम्मेदार बताते हुए कुछ सुझाव भी दिए हैं। मुख्यमंत्री झने राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते अपराधों को लेकर उपराज्यपाल के साथ अपने मंत्रिमंडल की बैठक का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा है कि नागरिकों, विधायकों और RWA के साथ मिलकर कानून व्यवस्था सुधारी जाए। इसके अलावा थाना लेवल कमिटी फिर से शुरू

करने की मांग की है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने रात में पुलिस की पेट्रोलिंग बढ़ाने की भी मांग की है। केजरीवाल ने दिल्ली में 24 घंटे में 4 हत्याओं का जिक्र करते हुए एलजी वीके सक्सेना से कानून व्यवस्था पर तत्काल ध्यान देने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोगों में सुरक्षा को लेकर भरोसा पैदा करने के लिए तुरंत कुछ प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। 2 करोड़ जनता की ओर से मिली संवैधानिक जिम्मेदारी का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा कि वह दिल्ली में कानून व्यवस्था को कायम रखने के लिए सभी संभव सहयोग के लिए तैयार हैं। केजरीवाल ने एलजी और केंद्रीय गृह मंत्रालय को दिल्ली की कानून-व्यवस्था के लिए जिम्मेदार बताते हुए कहा कि पिछले साल के एनसीआरबी डेटा से आंख खुलनी चाहिए थी, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने एनसीआरबी डेटा का हवाला देते हुए कहा कि 19 मेट्रोपोलिटिन शहरों में महिलाओं के खिलाफ हुए कुल अपराध में से करीब 32.20 फीसदी सिर्फ दिल्ली में हुए।

हाफ पैंट से फटी जींस तक पर बैन, एनसीआर के इस हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए ड्रेस कोड हुआ लागू

गाजियाबाद। गाजियाबाद के संजय नगर में स्थित हनुमान मंदिर में भी अब श्रद्धालुओं के ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। मंदिर की प्रबंध समिति ने श्रद्धालुओं के हाफ पैंट, रिप्ड जींस, स्लीवलेस टी-शर्ट और छोटे कपड़े पहनकर मंदिर आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। गाजियाबाद जिले में मंदिर परिसर में ड्रेस कोड लागू होने का संभवत यह पहला मामला बताया जा रहा है। संजय नगर स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में प्रबंध समिति ने हाफ पैंट, निक्कर, स्लीवलेस टीशर्ट, रिप्ड या फटी हुई जींस, गमछा आदि पहनकर मंदिर में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके लिए मंदिर समिति के मुख्य ट्रस्टी बीके अग्रवाल की ओर से अंदर और बाहर सूचना लगा दी गई है। इसमें सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि भारतीय संस्कृति के मुताबिक कपड़े पहन कर मंदिर में प्रवेश करें, दूसरों का ध्यान भटकाने वाले कपड़े पहनकर मंदिर में पूजा-अर्चना करने न आए। मंदिर के पंडित सुरेंद्र तिवारी ने बताया कि पिछले काफी समय से श्रद्धालु पाश्चात्य संस्कृति के परिधान पहनकर मंदिर आ रहे थे। छोटे कपड़े पहनने की वजह से दूसरे श्रद्धालुओं

का ध्यान पूजा से भटक रहा था। इसकी चर्चा मंदिर समिति की बैठक में की गई। सभी सदस्यों से विचार-विमर्श के बाद समिति ने मंदिर में ड्रेस कोड लागू कर दिया। मंदिर के पुजारी सुरेंद्र तिवारी ने बताया कि इस तरह के फैसलों से भारतीय संस्कृति को बचाया जा सकेगा और लोगों का रुझान पारंपरिक पूजा-अर्चना में बढ़ेगा।

खत्म होगा गर्मी का सितम, लू की मार; एमपी से बिहार तक बारिश के आसार

नई दिल्ली। गर्मी की मार और मॉनसून का इंतजार, फिलहाल आम जनता की चर्चाएं इनके इर्द गिर्द ही घूमती नजर आ रही हैं। इसी बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी ढ्ढरूस्ठ ने राहत की खबर दी है। विभाग ने सोमवार को बताया कि मंगलवार से भारत के पूर्वी और इससे सटे हिस्सों में हीट वेव की स्थिति कम होने जा रही है। साथ ही मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए भी स्थितियां अनुकूल हैं। पूर्वोत्तर भारत में दो दिनों के दौरान भारी बारिश हो सकती है।

पहले मॉनसून का ताजा हाल

दक्षिण पश्चिम मॉनसून कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार के कुछ हिस्सों में पहुंच गया है। मौसम विभाग ने संभावनाएं जताई हैं कि

2-3 दिनों में पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में भी पहुंच सकता है। मानसून पहले ही केरल में एक सप्ताह की देरी से 8 जून को पहुंचा था।

बिपरजॉय के असर से कहां होगी बारिश

IMD की तरफ से सोमवार दोपहर जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 20 जून को राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। वहीं, दो दिनों में उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश में भारी बारिश के असार हैं। जबकि राज्य के पूर्वोत्तर हिस्सों में मंगलवार को मध्यम बारिश हो सकती है। दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश में 20 और 21 जून को बरसात के आसार हैं।

यहां भी बारिश की तैयारी

मौसम विभाग ने बताया है कि 21 और 22 जून को बिहार और झारखंड, ओडिशा में 21 से 23 जून और गंगीय पश्चिम बंगाल में 21 और 22 जून को बारिश हो सकती है। साथ ही अगले पांच दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश के आसार हैं। दक्षिण भारत के तमिलनाडु में 20 जून और तटीय आंध्र प्रदेश में 21 जून तक भारी बारिश हो सकती है।

गर्मी के हाल

IMD ने बताया है कि पांच दिनों के दौरान मध्य प्रदेश और भारत के पूर्वी हिस्सों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में दो दिनों के दौरान लू चल सकती है। हालांकि, सोमवार को मौसम विभाग ने दो दिनों के बाद राहत की संभावनाएं जताई हैं।

भूपेंद्र पटेल ने सोने की झाड़ू लगा कर की भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की शुरूआत

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने यहां मंगलवार को सुबह रथयात्रा के मार्ग में सोने की झाड़ू लगाने की ÷पहिंद÷ विधि पूरी कर भगवान जगन्नाथ की 146वीं रथयात्रा की शुरूआत की।

अहमदाबाद के जमालपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर से रथयात्रा आज सुबह सात बजकर पांच मिनट रवाना हुई। रथयात्रा पुराने शहर के शाहपुर और दरियापुर जैसे संवेदनशील विस्तारों से परंपरागत मार्गों पर होकर शाम को साढ़े आठ बजे निज मंदिर में वापस आएगी। अहमदाबाद की भगवान जगन्नाथ रथयात्रा जगन्नाथपुरी की रथयात्रा की तर्ज पर ही सुबह निकली जिसमें भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलराम के साथ भगवान खुद भक्तों को दर्शन देने नगर यात्रा पर निकले हैं। रथयात्रा दोपहर बाद भगवान के ननीहाल मामा, मौसी के घर के प्रतीक स्वरूप सरसपुर पहुंचेगी जहां विश्राम के बाद देर शाम वापस मंदिर लौट आएगी। सरसपुर में हजारों श्रद्धालु प्रसाद स्वरूप भोजन भी करेंगे।

श्री पटेल ने इस अवसर पर कहा कि, ÷हमारी संस्कृति और परंपरा के अनुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अहमदाबाद शहर

में रथयात्रा निकल रही है, तब मैं सभी लोगों को रथयात्रा की शुभकामनाएं देता हूं।÷ भगवान जगन्नाथ जी के चरणों में उन्होंने प्रार्थना की है कि रथयात्रा के लिए सभी का उत्साह हमेशा बना रहे और राज्य के नागरिकों की सुख-शांति और समृद्धि में निरंतर वृद्धि होती रहे।

रथ यात्रा की शुरुआत सबसे पहले गजराज से होती है। इसलिए करीब 18 सजे हुए गजराज यात्रा में सबसे आगे हैं। उसके बाद 101 प्रकार की झांकियां ट्रक में सजायी गयी हैं। इस दौरान कसरत के प्रयोग दिखाते हुए 30 अखाड़े, 18 भजन मंडली, तीन बैंडबाजे भी भगवान के रथ के साथ हैं। करीब 2000 से अधिक साधु-संत हरिद्वार, अयोध्या, नासिक, उज्जैन, जगन्नाथपुरी और सौराष्ट्र से इस रथयात्रा में शामिल हुए हैं। रास्ते में 1,000 से 2,000 लोग रथ खींचते रहेंगे। इस रथयात्रा के लिये प्रसाद के भी खास इंतजाम किए गए हैं। जिसमें करीब 30 हजार किलोग्राम मूंग, 500 किलोग्राम जामुन, 500 किलोग्राम आम, 400 किलोग्राम ककड़ी, अनार और खिचड़ी का प्रसाद रथयात्रा के दौरान बांटा जाएगा।

अहमदाबाद के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील पुराने इलाकों से होकर गुजरने वाली रथयात्रा के लिए सुरक्षा के भी कड़े प्रबंध किये गये हैं। रथयात्रा में हजारों पुलिस तथा सुरक्षाकर्मी बंदोबस्त में हैं। रथयात्रा रूट पर रीयल टाइम मॉनिटरिंग, ड्रॉन के माध्यम से पूरी रथयात्रा की निगरानी के साथ तकनीकी युक्त सुरक्षा उपकरणों को भी रथयात्रा में जोड़ा गया हैं। भक्तों को दर्शन देने भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलराम के साथ खुद नगर यात्रा पर निकले हैं। राज्य की राजधानी गांधीनगर, राजकोट, सूरत, भावनगर, वडोदरा, जामनगर, जूनागढ, अमरेली, दाहोद समेत राज्य के विभिन्न छोटे बडे शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी रथयात्राएं आयोजित की जा रही हैं। लोगों में रथयात्रा को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

योग हमारा, लेकिन कमाई कर रहे चीन, अमेरिका और जर्मनी

-योगा मैट से करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली। पूरी दुनिया वर्तमान में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग को अपना रही है। जीवन में योग के इसी महत्व को दर्शाने के लिए पूरा विश्व हर साल इंटरनेशनल योगा डे मनाता है। 21 जून को इंटरनेशनल योगा डे मनाया जाएगा। योग अब धीरे-धीरे एक बड़ा बाजार भी बन चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2019 तक पूरी दुनिया में योग का कारोबार 3 लाख करोड़ रुपये का हो चुका था। रिपोर्ट में ये भी अनुमान लगाया गया था कि साल 2027 तक बाजार 75 प्रतिशत बढ़कर 5 लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा। योग का बाजार लगातार तेजी से बढ़ता जा रहा है। योग करने के लिए पूरी दुनिया में योगा मैट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। इसकारण योगा मैट का कारोबार भी बढ़ता जा रहा है। यूके, यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में योग मैट का खूब इस्तेमाल हो रहा है। भारत में भी लोग जमकर योग मैट खरीदते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, योग मैट सबसे ज्यादा जर्मनी, यूएसए और चीन में बनते हैं। इन मैट को स्टिकी मैट न कहकर योग मैट का नाम मिल चुका है। अब नाइकी और रीबॉक जैसी बड़ी कंपनियां भी योग मैट को बेच रही हैं। योग मैट की इंडस्ट्री बिलियन डॉलर की हो चुकी है। भारत में योग मैट का अभी निर्माण नहीं हो रहा है। यहां पर ज्यादातर योग मैट चीन से ही आती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए चीन से योग मैट आयात किए गए थे। जिसके लिए भारत ने 92 लाख रुपये खर्च किए थे।

अब होगी मानसून की झमाझम, एमपी तथा बिहार में तेज बारिश के आसार

नई दिल्ली। अब मानसून की झमाझम बारिश होने वाली है, इससे गर्मी तथा लू से राहत मिलेगी। हालांकि पिछले कई दिनों से लोगों को मॉनसून का इंतजार हो रहा था, और आम जनता की चर्चाएं इनके इर्द गिर्द ही घूमती नजर आ रही हैं। इसी बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग, आईएमडी ने राहत की खबर दी है। विभाग ने सोमवार को बताया कि मंगलवार से भारत के पूर्वी और इससे सटे हिस्सों में हीट वेव की स्थिति कम होने जा रही है। साथ ही मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए भी स्थितियां अनुकूल हैं। पूर्वानुमान के मुता?बिक पूर्वोत्तर भारत में दो दिनों के दौरान भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण पश्चिम मॉनसून कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार के कुछ हिस्सों में पहुंच गया है। मौसम विभाग ने 2-3 दिनों में पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में भी मानसून के पहुंचने की संभावनाएं जताई है। मानसून पहले ही केरल में एक सप्ताह की देरी से 8 जून को पहुंचा था। आईएमडी द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, 20 जून को राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। वहीं, दो दिनों में उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश में भारी बारिश के असार हैं। जबकि राज्य के पूर्वोत्तर हिस्सों में मंगलवार को मध्यम बारिश हो सकती है। दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश में 20 और 21 जून को बरसात के आसार हैं। भारतीय मौसम विभाग ने बताया है कि 21 और 22 जून को बिहार और झारखंड, ओडिशा में 21 से 23 जून और गंगीय पश्चिम बंगाल में 21 और 22 जून को बारिश हो सकती है। साथ ही अगले पांच दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश के आसार हैं। अगले पांच दिनों के दौरान मध्य प्रदेश और भारत के पूर्वी हिस्सों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में दो दिनों के दौरान लू चल सकती है।

चचेरी बहन को धमकी देकर किया रेप, कोर्ट ने सुनाई 135 साल की सजा

तिरुवनंतपुरम। नाबालिग चचेरी बहन के साथ बार-बार दुष्कर्म करने और उसे गर्भवती करने का मामला सामने आया है। रिश्तों को तार-तार करने वाले इस मामले में केरल की एक अदालत ने सोमवार को एक व्यक्ति को 135 साल कैद की सजा सुनाई। इस संबन्ध में सरकारी वकील रघु ने बताया कि हरिपद फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीर साजी कुमार ने 24 वर्षीय व्यक्ति को कुल 135 साल की सजा सुनाई। अभियोजक ने कहा कि आरोपी को सजा साथ-साथ काटनी होगी और उनमें से अधिकतम 20 साल थी। दोषी को 20 साल जेल की सजा काटनी होगी। अदालत ने फैसला सुनाते हुए दोषी युवक पर 5.1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को चार लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि पीड़िता वारदात के वक्त महज 15 साल की थी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक दोषी पीड़िता के पिता के बड़े भाई का बेटा था और वह उसे अपने स्कूल ले जाता था और घर वापस उसकी नानी के पास लाता था। अभियोजक ने बताया कि इस निकटता का फायदा उठाते हुए युवक ने नहाते समय पीड़िता का वीडियो रिकॉर्ड करके, उसने उसके साथ अंतरंग संबंध स्थापित किए और उसे गर्भवती कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता ने एक बच्चे को भी जन्म दिया है, जो बाल कल्याण समिति की देखरेख में हैं। इसी तरह एक और मामले में कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास दिया है। केरल की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने कुछ साल पहले नाबालिग लड़की से अनेक बार बलात्कार करने के लिए बीते शनिवार को प्राचीन वस्तुओं के विवादास्पद स्वयंभू व्यापारी मोनसन मावुंकल को जीवन का अंत होने तक कारावास में रहने की सजा सुनाई और कहा कि दोषी किसी भी प्रकार की नरमी का पात्र नहीं है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय (पॉक्सो) के न्यायाधीश के। सोमन ने कहा कि 53 वर्षीय दोषी ने अपनी घरेलू सहायिका की बेटी से कई महीनों तक बलात्कार किया।

कफ सिरप बनाने वाली भारत की 7 कंपनियों को डब्ल्यूएचओ ने जांच के घेरे में डाला

-स्वास्थ्य मंत्री बोले- नकली दवाओं के प्रति देश में जीरो टॉलरेंस की नीति

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कफ सिरप से मौतों के मामले में सख्त कदम उठाया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत में बने 7 कफ सिरप को जांच के घेरे में डाला है। वहीं डब्ल्यूएचओ द्वारा दुनिया भर में दूषित कफ सिरप की आपूर्ति से संबंधित अपनी जांच में भारत में निर्मित सात खांसी की दवाईयों को जांच के घेरे में लिए जाने के कुछ घंटे बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत में नकली दवाओं के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति है। उन्होंने सुनिश्चित किया कि दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक जोखिम-आधारित विश्लेषण चल रहा है। भारत कभी भी दवाओं की गुणवत्ता पर मोलभाव नहीं करेगा। मंडाविया ने मंगलवार को आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए हमेशा सतर्क रहते हैं कि किसी की नकली दवाओं से मृत्यु न हो। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डब्ल्यूएचओ ने फ सिरप बनाने वाली भारत की 7 कंपनियां जांच के घेरे में डाला है। कई देशों में कफ सिरप से 300 से ज्यादा मौतों के बाद ये कदम उठाया गया है। बता दें कि डब्ल्यूएचओ ने अपनी जांच में भारत में निर्मित खांसी की दवाईयों को उनकी घटिया गुणवत्ता के लिए चिन्हित किया है, जिसके कारण दुनिया भर में करीब 300 बच्चों की मौत हो गई थी।

फिल्म आदिपुरुष की अर्निंग में 75 फीसदी की गिरावट आई

मुंबई (ईएमएस)। विवादों में रहने के कारण फिल्म आदिपुरुष की कमाई में 75 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। गौरतलब है कि फिल्म आदिपुरुष के लिए वीकेंड के बाद सोमवार का दिन काफी अहम था। हालांकि मूवी मंडे टेस्ट में बुरी तरह से फेल हो चुकी है। चौथे दिन कलेक्शन गिरने की खबरें भी आई हैं। शुरुआती आंकड़े 20 करोड़ तक माने जा रहे थे लेकिन कुछ फाइनल रिपोर्ट्स इससे भी कम आ रही हैं। वैसे फिल्म ने 3 दिन तक काफी अच्छी कमाई की थी। माना जा रहा है कि शुरुआती कमाई अडवांस बुकिंग का नतीजा थी। फिल्म को मिले नेगेटिव फीडबैक और कई टिकट कैंसल होने का नतीजा अब दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि मेकर्स ने घोषणा की है कि वे आपत्तिजनक डायलॉग्स को रिप्लेस करेंगे। इस बदलाव के बाद भी फिल्म के बिजनस पर लोगों की नजर रहेगी। फिल्म आदिपुरुष पर जनता के खराब रिव्यू का असर देखने को मिला। फिल्म के कलेक्शन में करीब 75 फीसदी गिरावट दर्ज की गई। मूवी बिजनस ऐनालिस्ट ने ट्वीट किया, कि सोमवार को नेगेटिव वर्ड ऑफ माउथ का नतीजा दिखा, वीकेंड में जबरदस्त ओपनिंग के बाद आदिपुरुष सोमवार को धराशाई हो गई। फिल्म का टोटल कलेक्शन 75 फीसदी तक गिरा और नेट कमाई 8-9 करोड़ रही। संडे को कलेक्शन में ग्रोथ न दिखने के बाद माना जा रहा था कि सोमवार को भारी गिरावट दर्ज की जाएगी।

दिल्ली फतह के लिए भाजपा ने यूपी की हारी 16 लोकसभा सीटों पर मंथन शुरू किया

शाह, योगी और नडडा की तिकड़ी से संभाला मोर्चा

मेरठ (एजेंसी)। अगर भाजपा को तीसरी बार दिल्ली का सिंहासन जीतना है, तब उत्तर प्रदेश में विजय का पताका फहराना होगा। ऐसा तब होगा जब भगवा सूरमा पश्चिम उत्तर प्रदेश में पिछले लोकसभा चुनाव में मिली हार का चक्रव्यूह तोड़ दें। कुछ ऐसी रणनीति के साथ भाजपा के दिग्गजों ने पश्चिम यूपी को मथना शुरु कर दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं राष्ट्रीय जेपी नड्डा की तिकड़ी ने मोर्चा संभाल लिया है। 2014 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने मोदी लहर की बदौलत पश्चिमी उप्र की सभी 14 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी, लेकिन 2019 में सपा-बसपा और रालोद की तिकड़ी ने भाजपा से बिजनौर, नगीना, सहारनपुर, मुरादाबाद, संभल, अमरोहा एवं रामपुर छीन लिया।

यूपी के तत्कालीन संगठन महामंत्री सुनील बंसल ने प्रदेश में 70 प्लस का नारा दिया, जो पश्चिम उप्र की वजह से डूब गया। केंद्रीय इकाई ने हार के कारणों का मंथन किया। जिसके बाद सहारनपुर, बिजनौर नगीना का जिम्मा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संभाला, वहीं अमरोहा में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने डेरा डाला था। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने रामपुर में हार के कारणों की पड़ताल कर रिपोर्ट केंद्रीय टीम को दिया था।

मिशन-2024 में जुटी भाजपा ने प्रदेश की हारी सभी हारी 16 सीटों पर नए सिरे से रणनीतिक रचना की है। इसके लिए लाभार्थी सम्मान योजना संचालित कर रही है। अभियान के बहाने पार्टी की चुनावी धार और तेज करने के लिए 25 जून को सीएम योगी गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद और बागपत में जनसभा करने वाले हैं। जिसका असर पूरे पश्चिम उप्र तक पहुंचेगा। सीएम योगी पश्चिम के 25 जिलों का प्रभार संभालने के साथ ही मुरादाबाद और सहारनपुर में सर्वाधिक बार दौरा कर चुके हैं। वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री शाह 30 जून को बिजनौर में डेरा डालने वाले हैं। यह सीट भाजपा के लिए कड़ी चुनौती बनी हुई है।

बेशक यहां रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव कई बार दौरा कर चुके हैं, लेकिन शाह की जनसभा से पार्टी को नई ताकत मिलेगी। इससे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 21 जून को गाजियाबाद में योग के कार्यक्रम में पहुंचने के बाद संगठन के साथ चुनावी रणनीतियों की समीक्षा भी करने वाले हैं।

दो दिन पहले प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने बुलंदशहर का दौरा किया है। मेरठ में 22 जून को भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या की जनसभा होगी, वहीं राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह भी पदाधिकारियों से संवाद कर चुनावी नब्ज टटोलने का काम करने वाले हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा मामूली अंतर से मेरठ-हापुड़ सीट जीत सकी थी जहां अब भी बड़ी चुनौती है, वहीं मुजफ्फरनगर एवं कैराना के चुनावी समीकरण भाजपा की धड़कन बढ़ा रहे हैं। पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसौदिया ने बताया कि भाजपा संगठन की नींव पर खड़ी पार्टी है जहां सालभर उत्सव चलता है।

उद्धव राज में हुए घोटालों की फाइलें खोलने एसआईटी हुई गठित, अब होगी जांच

मुंबई। मुंबई महाघोटाले की जांच करने के लिए सीएम एकनाथ शिंदे ने एसआईटी गठित कर दी है। इस तरह से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बृह्नमुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी में हुए भ्रष्टाचार की फाइलें खोलने जा रहे हैं। उन्होंने कथित आर्थिक अनियमितताओं की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गठित करने की अनुमति दे दी है। इसमें खास बात है कि महाराष्ट्र में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी के बीच तनातनी का दौर जारी है। मार्च-अप्रैल में महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कैग के ऑडिट में 12 हजार 24 करोड़ रुपये की अनियमितताएं सामने आईं थीं। ये प्रोजेक्ट 2019 से लेकर अक्टूबर 2021 तक किए गए थे। इसमें खास बात है कि तब उद्धव राज्य के मुख्यमंत्री थे और उनकी अगुवाई वाली अविभाजित शिवसेना बीएमसी में सत्तारूढ़ थी। मुंबई भाजपा के प्रमुख आशीष शेलार ने सीएम को पत्र लिखकर बीएमसी में भ्रष्टाचार के आरोपों की एसआईटी जांच की मांग की थी। वहीं उद्धव गुट के नेता 20 जून को अंतरराष्ट्रीय गद्दार दिवस घोषित किए जाने की मांग कर रहे हैं। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने संयुक्त राष्ट्र को इस दिन को अंतरराष्ट्रीय गद्दार दिवस घोषित करने के लिए पत्र भी लिखा है। राउत ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और केंद्र सरकार गद्दारी को बढ़ावा दे रही है। आज के दिन हमारे 40 विधायक पार्टी छोड़कर चले गए थे। इसे अंतरराष्ट्रीय गद्दार दिवस घोषित होना चाहिए। वहीं खबर है कि राज्य में उद्धव गुट और महाविकास अघाड़ी में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता गद्दार दिवस पर प्रदर्शन की तैयारी कर रहे थे।

पीएम मोदी की चार दिवसीय अमेरिकी यात्रा में बनने जा रहे कई नए रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को अपनी चार दिवसीय अमेरिकी यात्रा के लिए रवाना हुए। इस दौरान पीएम मोदी योग दिवस समारोह, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ डिनर सहित कई कार्यक्रमों में शिरकत करने वाले हैं। पीएम मोदी की ये यात्रा ऐतिहासिक और कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिका रवाना होने से पहले पीएम ने कहा कि इस यात्रा से भारत-अमेरिका के रिश्तों को मजबूती मिलेगी। साथ ही भारत और अमेरिका के बीच रक्षा क्षेत्र में बड़ी डील पक्की होने वाली है। इस यात्रा के दौरान पीएम के नाम कई शानदार रिकॉर्ड जुड़ने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी की ये पहली अमेरिकी राजकीय यात्रा होगी। हालांकि, वह अपने कार्यकाल में इससे पहले पांच बार अमेरिका की यात्रा कर चुके हैं। यह उनकी छठी अमेरिकी यात्रा होगी।

पीएम मोदी से पहले सिर्फ दो भारतीय नेता अमेरिका की राजकीय यात्रा पर गए हैं। पहले 1963 में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन और 2009 में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह अमेरिकी राजकीय यात्रा पर जा चुके हैं। पीएम मोदी और पूर्व पीएम सिंह के अलावा आठ भारतीय प्रधानमंत्रियों ने अमेरिका की यात्रा की है। जवाहरलाल नेहरू ने चार बार, अटल बिहारी वाजपेयी ने चार बार, इंदिरा गांधी ने तीन बार, राजीव गांधी ने तीन बार, पीवी नरसिम्हा राव ने दो बार, मोरारजी देसाई और आईके गुजराल ने एक-एक बार अमेरिका की यात्रा की है।

जो बाइडन तीसरे अमेरिकी राष्ट्रपति हैं, जो अमेरिका यात्रा के दौरान पीएम मोदी से मिलने वाले हैं। उनसे पहले पीएम मोदी से बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी यात्रा के दौरान मिल चुके हैं। पीएम मोदी के नाम अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को दूसरी बार संबोधित करने का रिकॉर्ड जुड़ेगा। उन्होंने जून 2016 में पहली बार अमेरिका कांग्रेस को संबोधित किया था। ऐसा करने वाले पीएम मोदी केवल एकमात्र भारतीय नेता हैं और दुनिया में

इसतरह के चौथे नेता हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है जब योगा दिवस का मुख्य समारोह विदेश में आयोजित हो रहा है और उसका नेतृत्व पीएम मोदी करने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के लॉन में 21 जून को योगा दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा।

पटना में 23 को होगी विपक्षी दलों की बैठक, सीएम नीतीश करेंगे शुभारंभ

पटना (एजेंसी)। बिहार के पटना में विपक्षी दलों की बैठक 23 जून को होने वाली है। इसके लिए सभी विपक्षी नेताओं से शामिल होने की अपील की जा रही है। इधर महागठबंधन सरकार ने 23 जून को पटना में होने वाली विपक्ष की सबसे महत्वपूर्ण बैठक के कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया है। सूत्रों ने कहा कि कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत सीएम नीतीश कुमार करेंगे वहीं समापर बैठक में वक्तव्य राहुल गांधी देंगे। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। देशभर से लगभग 15 राजनीतिक दल इस महत्वपूर्ण बैठक का हिस्सा होंगे। सूत्रों से पता चला है कि बैठक का स्थान पटना में 1 अणे मार्ग स्थित बिहार के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के अंदर नेक संवाद कक्ष होगा। बैठक सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक होगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के संरक्षक फारूक अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और वाम दलों के नेताओं के बैठक में मौजूद रहने की उम्मीद है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने सभी विपक्षी नेताओं को एक मंच पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, मुख्य भाषण देकर कार्यवाही शुरू करेंगे। सूत्रों ने कहा कि वह इस बारे में बात करेंगे कि विपक्षी एकता की आवश्यकता क्यों है और नरेंद्र मोदी की मौजूदा सरकार के कारण देश जिन समस्याओं का सामना कर रहा है, उन्हें भी संबोधित करेंगे। वह यह भी बताएंगे कि अगर भाजपा सत्ता में बनी रहती है, तो इसके संविधान में बदलाव की सबसे अधिक संभावना है। विपक्षी पार्टियां कैसे बीजेपी को हराएंगी, इसका मंत्र भी वह बताएंगे। नीतीश कुमार के उद्घाटन भाषण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भाषण होगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली और पंजाब के मुद्दों को संबोधित करेंगे। एनसीपी प्रमुख शरद पवार के सुझाव विपक्षी नेताओं के लिए बेहद अहम हैं।

गीताप्रेस मामले में वरुण गांधी ने कांग्रेस को दिया धर्मनिरपेक्षता ज्ञान

-कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णनम ने अपने ही नेताओं को सुनाई खरी-खरी

पीलीभीत (एजेंसी)। गीताप्रेस गोरखपुर को साल 2021 के गांधी शांति पुरस्कार के लिए चुना गया है। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कमिटी ने यह चुनाव किया है। इस ऐलान के बाद से ही राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस फैसले को गांधी का अपमान बता रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जयराम रमेश ने फैसले को एक मजाक बताकर इसकी तुलना सावरकर और गोडसे को सम्मानित करने से की है। दूसरे कांग्रेसी नेता पीएल पुनिया ने भी फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। हालांकि, इससे विपरीत कांग्रेस के प्रमोद कृष्णनम ने अपने दल के इन नेताओं को लताड़ लगा दी है। गीताप्रेस को सम्मानित करने के फैसले के बाद हो रहे विवाद पर पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने समाज में नकारात्मकता फैलाने वाला माना है। वरुण गांधी ने ट्वीट कर कहा, एक-दूसरे की आस्था का परस्पर सम्मान ही एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की पहचान है। गीताप्रेस सिर्फ एक प्रकाशक नहीं, एक संपूर्ण आंदोलन है, इसने गरीब से गरीब परिवार को उनके धर्म से उच्चस्तरीय भाषा में लिखी त्रुटिहीन पुस्तकों के माध्यम से जोड़ा। अकारण आलोचना नकारात्मकता का आधार बनती है। इसके पहले कांग्रेस नेता रमेश ने ट्वीट में न केवल सम्मान देने के फैसले पर ऐतराज किया बल्कि गीताप्रेस की भूमिका पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने लिखा, साल 2021 का गांधी शांति पुरस्कार गोरखपुर के गीता प्रेस को दिया गया है, जो इस साल अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है।

गद्दार दिवस घोषित करने की मांग, संजय राउत ने यूएन को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने 20 जून को गद्दार दिवस घोषित करने की मांग करते हुए यूएन को चिट्ठी लिखी है। सांसद संजय राउत ने संयुक्त राष्ट्र के सेक्रेट्री जनरल को एक पत्र लिखकर विश्व गद्दार दिवस घोषित करने का आग्रह किया है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि हम इस मांग पत्र पर महाराष्ट्र के लाखों लोगों के हस्ताक्षर इकट्ठा करेंगे और उन्हें संयुक्त राष्ट्र भेजेंगे। अभी महाराष्ट्र की सियासत में औरंगजेब और टीपू सुल्तान को लेकर छिड़ी सियासी जंग खत्म हुई नहीं है कि इस बीच गद्दार दिवस की यह मांग एक नया विवाद पैदा कर रही है। संजय राउत के मुताबिक दुनिया ने गद्दारी की कई घटनाएं देखी हैं और महाराष्ट्र के लोगों के साथ बीते साल ये हुआ। उन्होंने कहा कि जब हमारी पार्टी सत्ता में आएगी तो 20 जून को गद्दार दिवस मनाया जाएगा। इससे पहले महाविकास आघाड़ी सरकार में शामिल रही एनसीपी ने भी ऐसे ही मांग की थी। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने ये मांग पिछले साल आज ही के दिन एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के विधायकों ने बगावत करने के मद्देनजर की है।

यहां यह बात गौरतलब है कि बीते साल 40 के करीब विधायकों की बगावत ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार को गिरा दिया था। उन्होंने ये चिट्ठी ऐसे समय में भेजी है, जब एक ही दिन पहले यानी 19 जून को शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट ने शिवसेना का अलग-अलग स्थापना दिवस मनाया। संजय राउत ने यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को लिखे पत्र में कहा कि जैसे 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाता है उसी तरह 20 जून को विश्व गद्दार दिवस के रूप में मान्यता दी जाए। इससे पहले राउत ने कहा था कि वे गद्दार डे मनाने की अपील के साथ ही रावण की तरह 40 गद्दार पुतले भी जलाएंगे।

नगरचर्या पर निकले भगवान जगन्नाथ, दर्शन के लिए सड़कों पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ जी की मंगला आरती की

अहमदाबाद (एजेंसी)। शहर में भगवान जगन्नाथ जी, बहन सुभद्रा जी और बड़े भैया बलभद्र जी के साथ नगरचर्या पर निकले हैं। खास बात यह है कि 72 सालों के बाद भगवान जगन्नाथ जी नए रथों पर सवार होकर नगरवासियों को दर्शन देने निकले हैं। भगवान जगन्नाथ जी नंदीघोष रथ पर बिराजमान हैं। जबकि बहन सुभद्रा जी हवलदन और भाई बलभद्र जी तालध्वज पर बिराजमान होकर नगरचर्या पर निकले हैं। भगवान जगन्नाथ जी की ऐतिहासिक 146वीं रथयात्रा के दर्शन करने अहमदाबाद के सड़कों पर श्रद्धा का सैलाब उमड़ रहा है। इससे पहले प्रातःकाल भगवान जगन्नाथ जी की मंगला आरती की गई, जिसमें केन्द्रीय मंत्री अमित शाह शामिल हुए। सुबह 4.30 बजे भगवान की आंखों से पट्टी खोली गई और उसके बाद 4.44 बजे भगवान को खीचड़ी का भोग लगाया गया। सुबह 5.30 बजे भगवान जगन्नाथ जी को, 5.35 बजे बहन सुभद्रा जी को और 5.50 बजे बलभद्र जी को रथ में बिराजमान किया गया। जिसके बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने सोने की

झाडू से रथयात्रा के मार्ग की सफाई कर पहिंदविधि पूर्ण की और रथयात्रा का मंदिर से प्रस्थान कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं जो मुझे पूजा करने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने रथयात्रा की लोगों को शुभकामनाएं दीं। अहमदाबाद के जमालपुर स्थित मंदिर से रथयात्रा के साथ अखाडे, भजन मंडलियां, देश के विभिन्न राज्यों से आए साधु-संतों के समूह और 100 से भी अधिक ट्रक रवाना हुए हैं। रथयात्रा को लेकर पूरे शहरवासियों में जबर्दस्त उत्साह नजर आ रहा है। विभिन्न ट्रकों में आकर्षक झांकिया बनाई गई हैं। रथयात्रा में श्रद्धालुओं को मूंग और जामून की प्रसादी वितरित की जा रही है। बता दें कि आज भगवान जगन्नाथ जी की 146वीं रथयात्रा है और इसके प्रारंभ होने से पहले केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भगवान जगन्नाथ जी सुबह 4 बजे मंगला आरती की। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, राज्यमंत्री जगदीश विश्वकर्मा समेत भाजपा नेता उपस्थित रहे। मंगला आरती के बाद भगवान की आंखों से पट्टी कोली गई। रथयात्रा को लेकर शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। रथयात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में विभिन्न रेंक के 25 हजार से अधिक जवान तैनात हैं। जिसमें 11 आईजी, 50 एसपी, 100 डीवायएसपी, 300 से ज्यादा पीआई, 800 पीएसआई के अलावा एसआरपी व सीआरपीएफ की 35 टुकडियां और 6 हजार होमगार्ड के जवान तैनात हैं। साथ ही रथयात्रा में पहली बार एन्टी गन ड्रोन का भी उपयोग किया जा रहा है। रथयात्रा के दौरान किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की पुलिस ने लोगों से अपील की है।

बिहार, यूपी, ओडिशा में हीट वेव से 100 से ज्यादा मौंते

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। एक ओर जहां दिल्ली-एनसीआर में बारिश हो रही है, वहीं दूसरी तरफ यूपी बिहार सहित कई राज्यों में हेट वेव से लोगों की जान जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बिहार, यूपी, ओडिशा में भीषण गर्मी और लू से करीब 100 लोगों की जान जा चुकी है। बिहार में पिछले 20 दिन से गर्मी सितम ढा रही है। इस महीने पारा 40 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं रहा। प्रदेश के 15 जिलों में हीट वेव चली।

वहीं भोजपुर में लू लगने से 24 घंटे में 5 लोगों की मौत हो गई है। आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा कि शवों के पोस्टमॉर्टम में मौत के कारण हीट स्ट्रोक की पुष्टि हुई है। जिले के कुछ हिस्सों में दो और मौतें हुई हैं, लेकिन उनकी पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट का इंतजार है। आपदा प्रबंधन मंत्री शाहनवाज आलम ने कहा, पूरा राज्य वर्तमान में भीषण गर्मी की चपेट में है।

पटना में 18 जून को भीषण गर्मी के कारण 35 लोगों की मौत हो गई थी। एनएमसीएच में 19 मरीजों तो पीएमसीएच में 16 मरीजों की मौत हो गई थी। वहीं बिहार के अन्य जिलों में लू लगने से 9 लोगों ने जान चली गई थी। बेगूसराय, सासाराम और नवादा में दो-दो लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा भोजपुर और औरंगाबाद में एक-एक शख्स की जान गई थी। भीषण गर्मी के कारण स्कूलों की छुट्टियां भी बढ़ा दी गई हैं। पटना में 24 जून तक सभी स्कूल बंद रहने वाले हैं।

राज्य स्वास्थ्य समिति ने जनता से अपील की है कि वे बेवजह घर से न निकलें। समिति ने कहा कि कोशिश करें कि दोपहर 12 से तीन बजे तक घर में ही रहें। बाहर निकलने पर कपड़े से सिर को ढककर रखें। पानी पीते रहें। बिहार में आमतौर पर 10 जून को मॉनसून दस्तक दे देता है और 15 जून तक ये राज्य में पूरी तरह प्रवेश कर जाता है, लेकिन मौसमी गतिविधियों के चलते 20 जून तक भी मॉनसून नहीं पहुंच सका है। उम्मीद है कि दो-तीन दिन में यह बिहार पहुंच सकता है।

बिहार की तरह यूपी में भी हालात बुरे हैं। पिछले दिनों बलिया जिले में भीषण गर्मी के कारण दर्जनों मरीजों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक 15, 16 और 17 जून में फीवर, सांस फूलने जैसी वजह से करीब चार सौ मरीज जिला अस्पताल में भर्ती हुए थे, जिसमें 15 जून को 23, 16 जून को 20 और 17 जून को 4 बजे शाम तक 11 यानी कुल 54 मरीजों की मौत हो गई थी। बिहार ही नहीं देश के कई राज्यों में हीटवेव चल रही है। यूपी, बिहार, मध्यप्रदेश, झारखंड, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, विदर्भ, ओडिशा और तेलंगाना में गर्म हवाओं का प्रकोप बढ़ेगा। एक स्टडी के मुताबिक भारत में गर्मी की वजह से 31 सालों में 24 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। भारत का 90 फीसदी इलाका अत्यधिक गर्मी वाले खतरनाक जोन में आता है। भारत अधिक गर्मी को बर्दाश्त करने के लिए तैयार नहीं है। हीटवेव को आपदा में शामिल करना होगा।

आईएमडी के मुताबिक, रुकी हुई हवा के कारण आमतौर पर हीट वेव चल रही है। उच्च दबाव प्रणाली हवा को नीचे की ओर ले जाती है। यह जमीन के पास हवा को बढ़ने से रोकती है।

श्रीलंका में साल 2023 में अब तक सड़क दुर्घटनाओं में 1,043 लोगों की मौत

कोलंबो । श्रीलंका के परिवहन मंत्री लसांथा अलगियावन्ना ने कहा है कि साल 2023 में अब तक देश में कुल 8,875 सड़क दुर्घटनाएं हुईं हैं, जिसमें 1,043 लोगों की मौत हुई। इन दुर्घटनाओं में शामिल अधिकांश वाहन बस, मोटरसाइकिल और तिपहिया वाहन थे। दुर्घटनाओं की संख्या को कम करने के लिए एक सहयोगी कार्य योजना शुरू की गई है। मंत्री ने कहा कि पश्चिमी प्रांत में 18 मई को शराब या नशीली दवाओं के प्रभाव में वाहन चलाने वाले ड्राइवरों की पहचान करने के लिए एक पायलट कार्यक्रम शुरू किया गया था। मंत्री ने कहा कि पिछले हफ्ते, कुल 1,781 ड्राइवरों को ड्रग्स के प्रभाव में ड्राइविंग के संदेह में परीक्षण किया गया। पुलिस के अनुसार, श्रीलंका में 2022 में करीब 19,740 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 2,485 लोग मारे गए।

स्पेन के स्ट्राइकर जोसेलु के साथ रियल मैड्रिड ने किया करार

मैड्रिड । रियल मैड्रिड ने स्पेन के स्ट्राइकर जोस लुइस माटो जोसेलु के साथ करार की घोषणा की है। जानकारी के अनुसार रियल मैड्रिड और एस्पेनयोल ने जोसेलु के लिए एक समझौता किया है। वह आगामी सत्र के लिए हमारे क्लब के लिए खेलेंगे। मीडिया में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च में स्पेन जाने वाले 33 वर्षीय जोसेलू क्लब में वापसी कर रहे हैं, जहां वह 2009-2012 तक बी-टीम के लिए 67 बार खेले। इसके बाद जर्मनी में हॉफेनहाइम, इंट्राचैट फ्रैंकफर्ट और हनोवर 96 जैसे क्लबों के लिए खेले। उसके बाद उनका करियर उन्हें स्पेन लौटने से पहले इंग्लैंड में स्टोक सिटी और न्यूकैसल यूनाइटेड ले गया। अपने कार्यकाल के दौरान उन दोनों क्लबों के लिए जोसेलू ने गोल करने के अपने कौशल को दिखाया। गौरतलब है कि अलावेस के साथ तीन सीजन में 36 गोल किए और पिछले सीजन में एस्पेनयोल के लिए 33 मैचों में 17 गोल किए। रियल मैड्रिड जोसेलु को एक स्ट्राइकर के रूप में मानता है, जो कम पैसे में पेनल्टी क्षेत्र में काफी कुशल है। उनसे मार्को असेंसियो, मारियानो डियाज और करीम बेंजेमा द्वारा छोड़े गए शून्य को भरने में मदद करने की उम्मीद की जा रही है।

अनाक क्राकाटाऊ में ज्वालामुखी फटने से डेढ़ किमी ऊंचा राख का गुबार उठा

जकार्ता । इंडोनेशिया में अनाक क्राकाटाऊ ज्वालामुखी फट गया है। सेंटर फॉर वोल्केनोलॉजी एंड जियोलॉजिकल हजार्ड मिटिगेशन के अनुसार ज्वालामुखी से 1.5 किमी की ऊंचाई तक राख का गुबार उठा। इस मामले में माउंट अनाक क्राकाटाऊ मॉनिटरिंग पोस्ट ऑफिसर जुमोनो ने कहा, राख का रंग सफेद और भूरा है। तेजी के साथ यह दक्षिण-पूर्व की ओर बढ़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोमवार को सुबह 8.22 बजे यह विस्फोट हुआ, जिसमें अधिकतम 70 मिमी का विस्तार और 3 मिनट और 2 सेकंड की अवधि थी। जावा और सुमात्रा के द्वीपों के बीच स्थित, माउंट अनाक क्राकाटाऊ 24 अप्रैल, 2022 से अब तक खतरे के तीसरे स्तर पर रहा है। 6 से 11 जून तक, पहाड़ी में उथल-पुथल बढ़ गई, नौ विस्फोटों को दर्ज किया गया, जिसमें ज्वालामुखी राख 3.5 किमी तक पहुंच गई। विस्फोट के प्रभाव से बचने के लिए लोगों को केट्रर के 5 किमी के दायरे में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शन करने वाले एलेक्सी नवलनी के खिलाफ नया मुकदमा शुरू

मास्को । जेल में बंद विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी के खिलाफ रूस की एक अदालत ने नया मुकदमा शुरु कर दिया है। यह मुकदमा नवलनी के भ्रष्टाचार-विरोधी फाउंडेशन की गतिविधियों और उनके शीर्ष सहयोगियों के बयानों से संबंधित है। मुकदमे की सुनवाई पूर्वी मॉस्को से 250 किलोमीटर दूर मेलेखोवो में कड़ी सुरक्षा वाली एक जेल में हो रही है। गौरतलब है कि रूस सरकार के कटु आलोचक नवलनी धोखाधड़ी और अदालत की अवमानना के मामले में इसी जेल में नौ वर्ष के कारावास की सजा काट रहे हैं। नवलनी ने सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करने के साथ ही सरकार विरोधी प्रदर्शनों का आयोजन किया था। जर्मनी से इलाज कराकर लौटने के बाद जनवरी 2021 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। बता दें कि नवलनी को 'नर्व एजेंट' जहर दिया गया था। पीनल कॉलोनी नंबर-6 जेल में मुकदमे की सुनवाई शुरू करने वाली मॉस्को सिटी अदालत ने मीडिया को कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं दी। ऐसे में पत्रकारों ने दूसरे भवन से 'वीडियो फीड' के जरिए सुनवाई देखी। सुनवाई के दौरान नवलनी के माता-पिता को भी अदालत कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। जेल की पोशाक पहने नवलनी कमजोर नजर आ रहे थे। नवलनी ने कहा है कि नए आरोपों के कारण उन्हें 30 साल के लिए जेल में रहना पड़ सकता है। एक जांचकर्ता ने उन्हें बताया है कि आतंकवाद के आरोपों पर एक अलग सैन्य मुकदमे का भी सामना करना पड़ेगा जिसमें संभावित रूप से उम्रकैद की सजा हो सकती है। नवलनी और उनके वकीलों ने न्यायाधीश से सुनवाई पर रोक लगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अधिकारी मामले के कमजोर पहलुओं पर पर्दा डालने के लिए मुकदमे का विवरण छिपाने को आतुर हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बारिश से 7 लोगों की मौत, 60 घायल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हुई और 70 से अधिक अन्य घायल हो गए। मौसम विभाग के अधिकारियों ने आंधी और बारिश की भविष्यवाणी की है। रिपोर्ट के अनुसार, देश के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि प्रांत में आंधी और बारिश का एक और दौर आने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि प्रांत के बन्नू डिवीजन में कम से कम पांच लोग मारे गए और 67 अन्य घायल हो गए, जबकि पेशावर में दो लोग मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए प्रांत के बन्नू संभाग के आयुक्त परवेज साबतखेल ने बताया कि संभाग के तीन जिलों में रविवार दोपहर से तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश से शहर में बाढ़ आ गई और क्षेत्र में संचार प्रणाली बाधित हो गई। इसके अलावा कई घर भी क्षतिग्रस्त हो गए। इससे पहले 10 जून को शक्तिशाली हवाओं, भारी बारिश और ओलावृष्टि के पहले चरण में प्रांत में कम से कम 27 लोग मारे गए थे और 145 अन्य घायल हो गए थे।

पर्यटकों को टाइटैनिक तक ले जाने वाली पनडुब्बी लापता

वाशिंगटन । टाइटैनिक के मलबे तक लोगों को ले जाने वाली पनडुब्बी अटलांटिक महासागर में गुम हो गई है। बोस्टन कोस्टगार्ड ने बताया कि न्यूफ़ाउंडलैंड के तट पर खोज और बचाव अभियान चल रहा है। यह स्पष्ट नहीं है कि लापता होने के समय उसमें कितने लोग सवार थे। समुद्र की सतह से लगभग 3,800 मीटर (12,500 फीट) नीचे टाइटैनिक के मलबे को देखने के लिए छोटे पनडुब्बियां कभी-कभी पर्यटकों और विशेषज्ञों को ले जाती हैं।

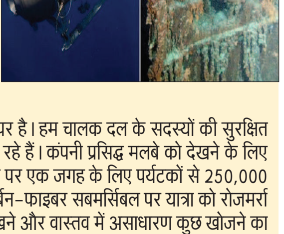

ओशनगेट एक्सपेडिशंस कंपनी ने एक बयान में पुष्टि की कि यह लापता सबमर्सिबल का मालिक है और लोग इसमें सवार थे। कंपनी ने कहा कि हम चालक दल को सुरक्षित वापस लाने के लिए सभी विकल्पों की तलाश कर रहे हैं और जुटा रहे हैं। हमारा पूरा ध्यान पनडुब्बी चालक दल के सदस्यों और उनके परिवारों पर है। हम चालक दल के सदस्यों की सुरक्षित वापसी की दिशा में काम कर रहे हैं। कंपनी प्रसिद्ध मलबे को देखने के लिए अपने आठ दिवसीय अभियान पर एक जगह के लिए पर्यटकों से 250,000 डॉलर लेती है। यह अपने कार्बन-फाइबर सबमर्सिबल पर यात्रा को रोजमर्रा की जिंदगी से बाहर कदम रखने और वास्तव में असाधारण कुछ खोजने का मौका के रूप में प्रस्तुत करता है। कंपनी के अनुसार एक अभियान चल रहा है और जून 2024 के लिए दो और की योजना बनाई गई है।

वेलेंशिया में ओसिनोग्राफिक फाउंडेशन और पोलीनेक्निक यूनिवर्सिटी के साथ ही पुलिस अधिकारी एक कछुए को देखते हुए। इसपर नजर रखने के लिए जीपीएस ट्रैकर भी लगाया गया।

राष्ट्रपति मैक्रों का आह्वान यूरोप अपनी वायु रक्षा प्रणाली विकसित करे, अमेरिका पर न रहे निर्भर

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने सोमवार को यूरोपीय देशों का आह्वान किया कि हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भरता बढ़ाएं और अमेरिका पर बहुत ज्यादा निर्भर नहीं रहें। मैक्रों ने 20 यूरोपीय देशों के रक्षा मंत्रियों और अन्य प्रतिनिधियों के पेरिस में आयोजित एक सम्मेलन के समापन भाषण में यूरोप के हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अपनी खुद की रक्षा प्रणाली विकसित करने की वकालत की। फ्रांसीसी आयोजकों ने कहा कि बैठक में ड्रोन रोधी युद्ध और बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली पर चर्चा की गई। इसके अलावा यूक्रेन पर रूस के बड़े स्तर के हमले के बाद इस तरह के उपकरणों के महत्व और प्रभावशीलता पर भी संज्ञान लिया गया। उन्होंने बताया कि बैठक के एजेंडे में परमाणु हथियारों के निवारण का विषय भी शामिल था। मैक्रों ने कहा कि हमें यह जानने की जरूरत है कि हवाई क्षेत्र के खतरे की स्थिति क्या है। फिर हम यूरोपीय क्या क्या उत्पादन करने में सक्षम हैं? और फिर हमें क्या खरीदने की जरूरत है? उन्होंने कहा कि हमें अब भी अक्सर अमेरिकी सामान खरीदने की जरूरत क्यों पड़ती है? क्योंकि अमेरिकियों ने हमारे मुकाबले इन चीजों को बहुत ज्यादा मानकीकृत किया है। उनके पास संघीय एजेंसियां हैं जो अपने विनिर्माताओं को भारी राज-सहायता प्रदान करती हैं। यह एक दिवसीय बैठक पेरिस एयर शो के मौके पर हुई थी।

प्रीडेटर ड्रोन, जेट इंजन..., पीएम मोदी के अमेरिका दौरे में इन समझौतों पर लगेगी मुहर

देश की सुरक्षा में गेंम चेंजर साबित होंगे ये प्रीडेटर ड्रोन

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार दिवसीय अमेरिका दौरे पर रवाना हो गए हैं। यह उनकी पहली राजकीय यात्रा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और फर्स्ट लेडी जिल के न्यौते पर अमेरिकी पहुंचे पीएम मोदी का ये दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इस दौरे पर पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने वाले हैं। इसके अलावा न्यूयॉर्क में योग दिवस पर योग करने वाले हैं। साथ ही वे व्हाइट हाउस में आयोजित किए गए रात्रिभोज में शामिल होने का कार्यक्रम हैं। पीएम मोदी के इस दौरे पर दोनों देशों के बीच डिफेंस, बिजनेस, टेक्नोलॉजी और स्ट्रैटेजिक डील होंगीं। राष्ट्रपति बाइडेन और दूसरे अमेरिकी नेताओं के साथ मेरी बातचीत दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को और आगे लेकर जाएगी। मुझे विश्वास है कि अमेरिका की मेरी यात्रा डेमोक्रेसी, डायवर्सिटी और आजादी के मूल्यों पर आधारित हमारे संबंधों को और मजबूत करेगी। हम वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए एक साथ मजबूती से खड़े हैं।

पीएम मोदी के दौरे पर भारत और अमेरिका के बीच डिफेंस, बिजनेस, टेक्नोलॉजी और स्ट्रैटेजिक डीलों पर मुहर लगेगी। लेकिन डिफेंस डील सबसे अहम मानी जा रही हैं। पीएम के इस दौरे पर भारत-अमेरिका के बीच भारत को सुपरपावर बनाने वाली अब तक की सबसे बड़ी डिफेंस डील होने वाली है। इससे भारत की ताकत कई गुना बढ़ेगी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि रक्षा औद्योगिक सहयोग का रोडमैप पीएम मोदी की यात्रा के प्रमुख परिणामों में से एक होने की उम्मीद है।

दरअसल रक्षा मंत्रालय ने पिछले हफ्ते अमेरिकी प्रीडेटर ड्रोन 31एमक्यू-9बी की खरीदारी को हरी झंडी दी थी। माना जा रहा है कि पीएम मोदी प्रीडेटर ड्रोन की खरीद की 3 बिलियन डॉलर की डील का ऐलान कर सकते हैं।

अमेरिका का बेहद खतरनाक ड्रोन 1200 किलोमीटर तक मार करने की क्षमता रखता है। तालिबान और आईएसआईएस के खिलाफ अमेरिका ने इन ड्रोन के जरिए अचूक हमले किए। भारत को अपनी लंबी समुद्री सीमा और थल सीमा की निगरानी के लिए भी इस ड्रोन की खास जरूरत थी। माना जा रहा है कि डील फाइनल होने के बाद भारतीय नेवी को 14 और सेना-वायुसेना को 8-8 ड्रोन मिल सकते हैं। चीन के साथ हिंद महासागर में चल रहे पावर गेम के लिहाज से ये ड्रोन भारत के लिए काफी काम के साबित होने वाले हैं।

राफेल विमानों के आने से बदले एयर डिफेंस पावर के बाद अब भारत चीन का मुकाबला करने के लिए अपने लड़ाकू विमानों की तादाद तेजी से बढ़ाने की ओर कदम उठा रहा है। इस वक्त तेजस मार्क-2 के लिए नए इंजन की जरूरत थी। पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे में जीईएफ414 इंजन का निर्माण भारत में होने पर मुहर लग जाएगी। इससे जेट इंजन भारत में बनने लगेगा। इसके लिए अमेरिका टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर सहमत हो गया है। इस कदम से फाइटर जेट्स को लेकर भारत की निर्भरता दूसरे देशों पर कम होगी और देसी तकनीक के जरिए एयर पावर बढ़ाने की दिशा में हम आगे बढ़ पाएंगे।

पटरी से उतरी चुकी अर्थव्यवस्था में फिर से गति देने में जुटा ड्रैगन

-चीनी केंद्रीय बैंक ने किए कई उपायों के ऐलान

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी केंद्रीय बैंक की ओर से अर्थव्यवस्था में फिर से गति लाने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। हाल ही में पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अर्थव्यवस्था को मंदी में जाने से बचाने के लिए ब्याज दरों में कटौती का ऐलान किया गया।

चीन के द्वारा एक साल के लोन की प्राइम रेट को 10 आधार अंक घटाकर 3.55 प्रतिशत कर दिया गया है, जो कि पहले 3.65 प्रतिशत थी। वहीं, पांच साल की प्राइम रेट को 4.3 प्रतिशत से घटाकर 4.2 प्रतिशत कर दिया गया है। यह अगस्त में पहली बार है जब ब्याज दरों को घटाया गया है।

चीन के बैंकों की ओर से ब्याज दरों में कटौती के ऐलान के बाद हांगकांग के शेयर बाजार में लिस्टेड चीनी कंपनियों के शेयर फिसल गए। इस कारण वहां का प्रॉपर्टी इंडेक्स 3 प्रतिशत गिर गया। एक सर्वे में बताया गया कि इंडस्ट्री पांच साल के रेट में 15 आधार अंक की कटौती की उम्मीद कर रही थी। इस कारण ये गिरावट देखने को मिली है।

प्रॉपर्टी इंडेक्स में गिरावट होने के कारण हांगकांग के शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। साथ ही चीन युआन भी नवंबर के बाद सबसे निचले स्तर पर चल रहा है। चीन में ज्यादातक लोन एक साल की लोन प्राइम रेट के आधार पर ही दिए जाते हैं।

चीनी सरकार की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, वहां की अर्थव्यवस्था में मई में 4.6 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। यह 2016 के बाद चीन की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी गिरावट थी। इस कारण चीन की अर्थव्यवस्था के मंदी में जाने की आशंका जाहिर की गई है।

मई में आई अर्थव्यवस्था में गिरावट के कारण गोल्डमैन सैक्स और जेपी मॉगर्न ने चीन की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के पूरे लक्ष्य घटा दिया है।

सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स को रखने का ट्रंप ने किया बचाव, मेरे पास उन बक्सों को रखने का पूरा अधिकार

लाहौर (एजेंसी)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इन दिनों सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स को गलत तरीके से संभालने के दर्जनों आरोपों का सामना कर रहे हैं। फॉक्स न्यूज पर एक साक्षात्कार में अपना बचाव करते हुए ट्रंप ने कहा कि वह दस्तावेजों को छांटने के लिए व्यस्त थे। सीक्रेट डॉक्यूमेंट मामले में ट्रंप की गिरफ्तारी हुई थी। मियामी कोर्ट में पेशी के दौरान गिरफ्तारी के बाद रिहाई हो गई है। 37 अलग-अलग मामलों में डोनाल्ड ट्रंप पर जो आरोप लगे थे, उसमें उन्होंने कहा कि वे बेकसूर हैं। न्यूज के होस्ट ब्रेट बैयर को बताया कि जैसे ही उन्होंने जनवरी 2021 में व्हाइट हाउस छोड़ा, उनका निजी सामान सरकारी दस्तावेजों के साथ मिला हुआ था।

ट्रंप ने कहा कि मैंने इसे बहुत हड़बड़ी में निकाला। लोगों ने इसे पैक किया और हम चले गए। मेरे पास वहाँ कपड़े थे, हर तरह की निजी चीज़ें थीं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि मेरे पास उन बक्सों को रखने का पूरा अधिकार है। जब बैयर ने पूछा कि अधिकारियों द्वारा पूछे जाने पर उन्होंने दस्तावेज क्यों नहीं सौंपे, तो ट्रम्प ने कहा कि क्योंकि मेरे पास बक्से थे। मैं उसमें से अपनी सभी निजी चीजें बाहर निकालना चाहता हूं। मैं उसे सौंपना नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि जैसा कि आपने देखा है, मैं बहुत व्यस्त था।

बता दें कि सीक्रेट डॉक्यूमेंट मामले में ट्रंप की गिरफ्तारी हुई थी। मियामी कोर्ट में पेशी के दौरान गिरफ्तारी के बाद रिहाई हो गई है। 37 अलग-अलग मामलों में डोनाल्ड ट्रंप पर जो आरोप लगे थे, उसमें उन्होंने कहा कि वे बेकसूर हैं। ट्रंप के सहयोगी वॉल्ट मैथ्यू को भी रिहा किया गया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस जुर्म को मानने से इनकार किया कि उन्होंने फ्लोरिडा के अपने आवास में गोपनीय दस्तावेज रख कर बीसियों बार कानून का उल्लंघन किया है।

क्या चल रहा है कोई बड़ा ऑपरेशन!

निज्जर, पंजवार, खंडा, हरमीत, 6 महीने में 4 निपट गए, खालिस्तानियों का चुन-चुनकर हो रहा सफाया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा के सरे शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। खालिस्तान टाइगर फोर्स का मुखिया शाम अपने घर लौट रहा था, तभी बंदूकें चलीं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इससे एक महीने पहले 6 मई को इसी तरह, परमजीत सिंह पंजवार लाहौर की सनफ्लावर सोसाइटी में अपने घर के पास अपनी नियमित मॉर्निंग वॉक पर था। एक बाइक पर सवार दो बंदूकधारियों ने गोलियां चलाईं और खालिस्तान कमांडो फोर्स के प्रमुख खून से लथपथ होकर गिर पड़ा। इतना ही नहीं पिछले हफ्ते, खालिस्तान के एक प्रमुख प्रतिपादक और अलगाववादी अमृतपाल सिंह के हैंडलर अवतार सिंह खांडा का ब्रिटेन के एक अस्पताल में निधन हो गया। खांडा को हाल ही में टर्मिनल कैंसर का पता चला था। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि उनकी मौत का कारण जहर बताया गया।

भारतीय खुफिया एजेंसियों की भूमिका का आरोप

जनवरी में लाहौर के पास एक गुरुद्वारे के परिसर में हरमीत सिंह उर्फ ??हैप्पी पीएचडी की हत्या कर दी गई थी। हरमीत सिंह नार्को-टेरर और खालिस्तानी आतंकियों को ट्रेनिंग और ट्रेनिंग देने में शामिल था। वह 2016-2017 में पंजाब में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेताओं की हत्याओं में शामिल था।

निज्जर, पंजवार, खंडा और हरमीत उन चार प्रमुख खालिस्तानी आतंकवादियों में शामिल हैं जिनकी हाल के महीनों में विदेश में रहस्यमय तरीके से मौत हो गई है। कनाडा के विश्व सिख संगठन ने मंगलवार को हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय खुफिया एजेंसियों की भूमिका का आरोप लगाया।

खालिस्तानी गतिविधियों में उछाल

इन मौतों की टाइमिंग भी काफी दिलचस्प है। खालिस्तान समर्थक गतिविधि में हाल के वर्षों में वृद्धि देखी गई है। यूके, कनाडा, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया में स्थित खालिस्तानी आतंकवादियों ने अलगाववादी आग को हवा दी है। अभी पिछले हफ्ते, कनाडा में कई जगहों पर खालिस्तान समर्थक रैली के पोस्टर देखे गए, जिसमें 1985 में एयर इंडिया बम धमाकों के कथित मास्टरमाइंड तलविंदर परमार का महिमामंडन किया गया था। पोस्टर में खालिस्तानी आतंकवादी को 'शहीद भाई तलविंदर परमार' के रूप में संदर्भित किया गया था और 25 जून (रविवार) को दोपहर 12.30 बजे (स्थानीय समयानुसार) एक कार रैली का विज्ञापन किया गया था।

भारत के विदेश स्थित मिशनों पर हमला

मार्च में जब अलगाववादी अमृतपाल सिंह पर भारत में पुलिस द्वारा दबिश डाली जा रही थी, विदेशों में खालिस्तानी तत्वों ने अपनी भारत विरोधी गतिविधियों को तेज कर दिया। भारत के राजनयिक मिशनों पर हमला किया गया। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर खालिस्तान समर्थकों ने हमला किया था। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास के सामने खालिस्तान समर्थकों के एक समूह ने भी विरोध किया। सबसे ज्यादा हिंसक विरोध प्रदर्शन ब्रिटेन में देखने को मिला। खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने लंदन में भारतीय मिशन की बालकनी पर चढ़कर तिरंगे को नीचे खींचने की कोशिश की। कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों ने भारतीय दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और भारतीय मूल के पत्रकारों पर हमला किया। कनाडा में हाई कमीशन पर विरोध प्रदर्शन के दौरान एक ग्रेनेड भी फेंका गया। खालिस्तान समर्थकों द्वारा किए गए हमलों की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अपने हाथ में ले ली है।

बीयर में मूंगफली के दाने के नाचने की प्रक्रिया का पता लगाने से होंगे फायदे

-शोध का कई उद्योगों में लिया जा सकता है फायदा

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी के वैज्ञानिकों ने शोध में यह जानने की कोशिश की है कि अगर बीयर में मूंगफली के दाने के नाचने की प्रक्रिया का पता लगा लिया जाए तो धरती के अंदर से मिनरल्स निकालने और सतह के नीचे उबलते मैग्मा को समझने में कैसे मदद मिलेगी? जर्मनी के वैज्ञानिकों का दावा है कि मूंगफली के बीयर में नाचने को समझने के लिए किए गए शोध का कई उद्योगों में फायदा लिया जा सकता है।ब्राजील के शोधकर्ता लुई परेरा के मुताबिक, उन्हें इस शोध के बारे में पहली बार ख्याल अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में एक बार में आया। दरअसल, ब?यूनस आयर्स में बार टेंडर अकसर बीयर के गिलास में मूंगफली के दाने डाल देते हैं और वो नाचने लगती हैं।मूंगफली के दाने बीयर से भारी होने के कारण पहले डूब जाते हैं।फिर एक-एक करके दाने ऊपर आने लगते हैं।परेरा बताते हैं कि मूंगफली एक न्यूक्लिएशन साइट बन जाती है।कार्बन डाइऑक्साइड के छोटे-छोटे सैकड़ों बुलबुले बनते हैं।फिर बुलबुले सतह की ओर बढ़ते हैं।इससे हवा का दबाव कम होता है और मूंगफली के दाने भी बुलबुलों के साथ ऊपर की ओर आ जाते हैं।जर्मनी के म्यूनिख में लुडविग मैक्सिमिलियन यूनिवर्सिटी में शोधकर्ता परेरा कहते हैं कि ये बुलबुले गिलास की सतह पर बैठने के बजाय मूंगफली के दोनों की सतह पर बनते हैं।जब वे सतह पर पहुंचते हैं, तो फूट जाते हैं।बुलबुला फूटता है, तो दाने फिर नीचे जाने लगते हैं।

फिर नया बुलबुला उसे ऊपर ले आता है। इस तरह मूंगफली के दानों का ये डांस तब तक चलता रहता है, जब तक कार्बन डाइऑक्साइड खत्म नहीं हो जाती या कोई बीयर का घूंट लेकर उस प्रक्रिया में रुकावट नहीं डाल देता।एक शोध 'बीयर गैस पीनट सिस्टम' में इस प्रक्रिया के दो कारण बताए गए हैं। शोध रिपोर्ट के मुताबिक, बुलबुले और मूंगफली के दाने की सतह के बीच संपर्क का कोण जितना बड़ा होता है, बुलबुले के बनकर बड़ा होने की संभावना ज्यादा होती है। हालांकि, कोई भी बुलबुला बहुत बड़ा नहीं बन सकता है।आदर्श स्थिति में भी ये 1.3 मिमी व्यास से कम रहता है.परेरा का कहना है कि इस प्रक्रिया को गहराई से समझने का फायदा उद्योग जगत में भी उठाया जा सकता है।वह कहते हैं कि लौह अयस्क से लोहा अलग करने की प्रक्रिया करीब-करीब ऐसी ही होती है।नियंत्रित तरीके से लौह अयस्क के मिश्रण में हवा छोड़ी जाती है।इससे उसकी सतह पर बुलबुले बनते हैं और ऊपर की ओर उठने लगते हैं।

संपादकीय

योग और ध्यान-अभ्यास : संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

योग सृष्टि की शुरुआत से ही भारत की प्राचीन संस्कृति का एक अहम हिस्सा रहा है। प्राचीन काल के ऋषि-मुनियों ने योग के महत्व का जिक्र अनेक धर्मग्रंथों में किया है। ऋग्वेद में कई जगहों पर यौगिक क्रियाओं के विषय में जानकारी मिलती है। महर्षि पतंजलि ने योग की परिभाषा देते हुए कहा है कि श्योगष्चित्तवृत्तिनिरोध:श् अर्थात योग के द्वारा हम अपने चंचल मन को भी काबू में कर सकते हैं। मनुष्य को जब भी कोई शारीरिक अथवा मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा है तो अपने शरीर को रोग मुक्त करने के लिए उसने किसी न किसी तरीके से योग द्वारा शरीर को स्वस्थ किया है और साथ ही साथ मानसिक शांति भी प्राप्त की है लेकिन आज के आधुनिक युग की इस भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हमारे खान-पान व रहन-सहन में कई बदलाव आए हैं जिनके कारण हमें चिंता, तनाव, थकान और चिड़चिड़ापन जैसी अन्य कई बीमारियां घेर लेती हैं।

शुरू-शुरू में तो हम अपने स्वास्थ्य की बिल्कुल भी परवाह नहीं करते क्योंकि आजकल की व्यस्त ज़िंदगी में किसी के पास इतना भी वक्त नहीं है कि वो अपने शरीर की ओर ध्यान दे लेकिन धीरे-धीरे यह छोटी-छोटी बीमारियाँ हमारे शरीर में ब्लड प्रेशर, शुगर, गठिया, मोटापा और माईग्रेन जैसी अनेक गंभीर रोगों को जन्म देती हैं। तब हम थोड़ा जागरूक होते हैं और हमारा ध्यान किसी योग की ओर जाता है क्योंकि केवल योग ही है जो इस प्रकार के रोगों को जड़ से खत्म कर सकता है। सिर्फ प्राचीन काल के योगियों ने ही नहीं बल्कि आज के आधुनिक युग के डॉक्टर्स ने भी इस बात को पूरी तरह साबित करके दिखाया है कि सिर्फ योग ही ऐसी रामबाण दवा है जिसके द्वारा हम शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं और यह हमें इस हलचल भरी दुनिया में मानसिक शांति भी प्रदान कर सकता है। अगर हम योग के फायदों का ज़िक्र करें तो हम पाएंगे कि योग के फायदों की सूची कभी न खत्म होने वाली है। जैसे प्रतिदिन योग करने से शारीरिक तंदुरुस्ती तो आती ही है, इसके अलावा इसके द्वारा सबसे ज्यादा मानसिक शांति मिलती है, जिससे कि हमारे अंदर का तनाव खत्म होता है बल्कि इसके द्वारा हमारा मन भी शांत रहता है। इसके साथ-साथ बड़ी से बड़ी बीमारी से लड़ने के लिए हमारे शरीर में रक्त का संचार सुचारू रूप से होता है, जिससे कि हमारे अंदर रोगों से लड़ने की ताकत बढ़ जाती है। योग से हमारी पाचन क्रिया भी दुरूस्त होती है, जिसके कारण हमारे अंदर ऊर्जा का विकास होता है और हमारा शरीर लचीला बनता है। नियमित योग करने से जीवन के प्रति उत्साह बढ़ता है और हमारे अंदर मनोबल की भी वृद्धि होती है। इस प्रकार योग के द्वारा हम अपने तन को ही नहीं बल्कि मन को भी स्वस्थ रख सकते हैं।

योग के कई प्रकार हैं जैसे, हठ योग, प्राण योग, राज योग, कुंभक और ज्ञान योग आदि। जितने भी प्रकार के ये योग हैं इन्हें करने के लिए एक तो इनमें समय बहुत ज्यादा देना पड़ता है जोकि आजकल की व्यस्त दिनचर्या में मुमकिन ही नहीं है। दूसरे इन्हें करने के लिए शरीर का पूरी तरह से स्वस्थ होने के साथ-साथ लंबी उम्र का होना भी बहुत ही ज़रूरी है जोकि आज के युग में संभव नहीं है। ये सभी यौगिक क्रियाएं सिर्फ हमारे शरीर को स्वस्थ रखती हैं लेकिन सुरत शब्द योग एक ऐसी विधि है जोकि पूर्णतया आध्यात्मिक है और यह न सिर्फ हमारे तन व मन को बल्कि हमारी आत्मा को भी तंदुरुस्त रखता है। परम संत कृपाल सिंह जी महाराज ने इस सुरत शब्द योग के बारे में कहा है कि, "अगर हमारी आत्मा तंदुरुस्त होगी तो हमारा मन और शरीर खुद-ब-खुद तंदुरुस्त हो जाएगा।"

आज का राशिफल

मेष – शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ – दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन – उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क – पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह – व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या – पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला – जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक – राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु – शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर – शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन – दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

व्यवस्थित जीवन का आधार है योग

(लेखक- डॉ. वंदना सेन)

सनातन काल से यह सर्वसिद्ध है कि व्यवस्थित योग क्रिया के माध्यम से शरीर को पुष्ट किया जा सकता है, निरोग रखा जा सकता है। योग जीवन के सर्वांगीण विकास का एक ऐसा माध्यम है, जो व्यक्ति के लिए सहज है। वास्तव में योग व्यवस्थित जीवन का आधार है। योग के कारण ही व्यक्ति की तमाम प्रकार की व्याधियां दूर होती हैं। मानसिक तनाव को भी कम करता है। आजकल की भागदौड़ भरी दिनचर्या के चलते अधिकतर व्यक्ति मानसिक अवसाद की अवस्था की ओर जा रहे हैं, यही अवसाद व्यक्ति के जीवन के सार्वभौमिक विकास की राह में अवरोध बनते हैं। इस सबको दूर करने के योग ही एक माध्यम है। योग व्यक्ति की एकाग्रचित्तता को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति किसी कार्य को अच्छी प्रकार से संपादित करता है। योग ही रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करता है। इसलिए योग से जुड़ना व्यक्ति के जीवन के लिए बहुत जरूरी है, योग को आज से ही अपने जीवन का अपरिहार्य हिस्सा बनाएं।

वर्तमान में विश्व में जितनी भी ज्ञान और विज्ञान की बातें की जाती हैं, वह भारत में युगों पूर्व की जा चुकी हैं। इससे कहा जा सकता है कि भारत में ज्ञान और विज्ञान की पराकाष्ठा थी, लेकिन यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम विदेशी चमक के मोहजाल में फंसकर अपने ज्ञान को संरक्षित नहीं कर सके। जिसके कारण हम स्वयं ही यह भुला बैठे कि हम क्या थे। भारत की भूमि से विश्व को एक परिवार मानने का संदेश प्रवाहित होता रहा है, आज भी हो रहा है। यह अकाट्य सत्य है कि विश्व को शांति के मार्ग पर ले जाने का ज्ञान और दर्शन भारत के पास है। योग विधा एक ऐसी शक्ति है, जिसके माध्यम से दुनिया को स्वस्थ और मजबूती प्रदान की जा सकती है। 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से आज विश्व के कई देश भारत के साथ खड़े हुए हैं। यह विश्व को निरोग रखने की भारत की सकारात्मक वैश्विक पहल है। देव भूमि भारत में वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को आत्मसात करने वाले मनीषियों ने बहुत पहले ही विश्व को स्वस्थ और मजबूत बनाने का संदेश दिया है। लेकिन योग की महत्ता को कम आंकने वाले लोगों के बारे में यही कहना तर्कसंगत होगा कि यह संकुचित मानसिकता का परिचायक है। पिछले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे विश्व में योग का जो स्वरूप दिखाई दिया, वह अपने आप में एक करिश्मा है। करिश्मा इसलिए क्योंकि ऐसा न तो पहले कभी हुआ है और न ही योग के अलावा दूसरा कार्यक्रम हो सकता है। इतनी बड़ी संख्या में भाग लेने वाले लोगों के मन में योग के बारे में अनुराग पैदा होना वास्तव में यह तो प्रमाणित करता ही है कि अब विश्व एक ऐसे मार्ग पर कदम बढ़ा चुका है, जिसका संबंध सीधे तौर पर व्यक्तिगत स्वस्थता से है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर भले ही संकुचित मानसिकता वाले लोगों ने विरोध किया हो, लेकिन इसके बावजूद भी योग दिवस पर भाग लेने वालों ने एक कीर्तिमान बनाया है और संकुचित मानसिकता वालों के मुंह पर करारा प्रहार किया है। अब विश्व के कई देशों ने स्वस्थ और मजबूती की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए हैं। अब विश्व को निरोग बनाने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। वर्तमान में विश्व के अनेक देश इस सत्य से भली भांति परिचित हो चुके हैं कि योग जीवन संचालन की एक ऐसी शक्ति है, जिसके सहारे तनाव मुक्त जीवन की कल्पना की जा सकती है। हम जानते हैं कि विश्व के कई देशों में जिस प्रकार का विचार प्रवाह है, उससे जीवन की अशांति का वातावरण तैयार हो रहा है और अनेक लोग इसकी गिरफ्त में आते जा रहे हैं। विश्व के कई देश इस बात को जान चुके हैं कि योग के सहारे ही मानसिक शांति को प्राप्त किया जा सकता है। हम यह भी जानते हैं कि वर्तमान में हमारी जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन आया है, जो मानसिक अशांति का कारण बन रहा है। इसके चलते व्यक्ति अवसाद के घेरे में आ रहा है। विश्व को सुख और समृद्धि के मार्ग पर ले जाने के लिए भारत के दर्शन को विश्व के कई देश खुले रूप में स्वीकार करने लगे हैं। इससे पहले जो भारत विश्व के सामने अपना मुंह खोलने से कतराता था, आज वही भारत एक नए स्वरूप में विश्व के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। विश्व को भारत की विराट शक्ति का अहसास हो चुका है। कोरोना की लड़ाई भारत जिस तरीके से लड़ी, वह शक्ति संपन्न देशों को अचंभित कर रहा है। इस लड़ाई में योग का भी पूरा योगदान है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं, तब से हमारे देश के बारे में वैश्विक दृष्टिकोण में गजब का बदलाव दिखाई दे रहा है। सवाल यह है कि क्या यह बदलाव नरेन्द्र मोदी को देखकर आया है, नहीं। इसका जवाब यह है कि भारत के पास पूर्व से ही ऐसी विराट शक्ति थी, जिसका भारत की पूर्व सरकारों को भारतीय जनता को बोध नहीं था। हर भारतवासी के अंदर शक्ति का संचय है, हम शक्ति को प्रदर्शित नहीं कर पा रहे थे, इतना ही नहीं हम यह भूल भी गए थे कि हमारे अंदर भी शक्ति है। नरेन्द्र मोदी ने जामवंत की भूमिका अपनाकर देशवासियों के मन में इस भाव को जाग्रत किया कि आप महाशक्ति हैं। भारत के दर्शन में एक ठोस बात यह भी है कि भारत में हमेशा सर्वे भवन्तु सुखिन~ सर्वे सन्तु निरामया वाला भाव ही रहा है। जो भी देश भारत के इस दर्शन से तालमेल रखता हुआ दिखाई देता है, वह कभी दूसरे का अहित सोच भी नहीं सकता। जबकि विश्व के अनेक देश केवल स्वयं का ही हित सबसे ऊपर रखकर दूसरों के हितों पर चोट करते हैं। ऐसे लोगों का न तो कोई अपना है, और न ही कोई परिवार। भारत का दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम का है। योग जहां स्वस्थ मानसिकता का निर्माण करने में सहायक है वहीं, शांति स्थापना का उचित मार्ग है। योग से विचारों में शुद्धता आती है। पैसे के पीछे भाग रहा पूरा विश्व तनाव भरा जीवन जी रहा है। इस तनाव से मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है योग को अपनाया जाए। जिसने अपने जीवन में योग को महत्व दिया है, वह इस तनाव से छुटकारा पाने में सफल रहा है। हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि आध्यात्मिकता और ध्यान योग के मामले में हम विश्व के सभी देशों से बहुत आगे हैं। इस बारे में दुनिया का ज्ञान भारत के समक्ष अधूरा ही है। भारत को जब तक इस बात का बोध था, तब तक विश्व का कोई भी देश भारत का मुकाबला करने का सामर्थ्य नहीं रखता था। हम योग के माध्यम से एक बार फिर से आदर्श स्थापित कर सकते हैं। जिसके लिए यह समय अनुकूल है। भारत की इस शक्ति का प्रस्फुटन हो चुका है। अब जरूरत इस बात की है कि हम सभी सरकार के कदम के साथ सहयोग का भाव अपनाकर अपना कार्य संपादित करें। आने वाले समय में भारत का भविष्य उज्जवल है।

(लेखिका शिक्षाविद एवं विभागाध्यक्ष हैं)

> अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर भले ही संकुचित मानसिकता वाले लोगों ने विरोध किया हो, लेकिन इसके बावजूद भी योग दिवस पर भाग लेने वालों ने एक कीर्तिमान बनाया है और संकुचित मानसिकता वालों के मुंह पर करारा प्रहार किया है। अब विश्व के कई देशों ने स्वस्थ और मजबूती की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए हैं।

मानव जीवन में योग की महत्ता

(लेखक-योगेश कुमार गोयल)

– 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) पर विशेष

पूरी दुनिया इस वर्ष 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। वैश्विक स्तर पर इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। दरअसल योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। यही वजह है कि जिस प्रकार किसी बीमारी के इलाज के लिए आज दवा की जरूरत मानी जाती है, उसी प्रकार स्वस्थ जीवन के लिए दिनचर्या में अब योग आवश्यक माना जाता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत, बगैर किसी खर्च के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह न केवल मानसिक तनाव से छुटकारा दिलाता है बल्कि मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है, जिससे योग करने वाले व्यक्ति के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। यही कारण है कि अब युवाओं में भी योग की लोकप्रियता बढ़ रही है तथा ऐसे युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने वाले मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है।

27 सितम्बर 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा से आव्हान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके और विश्वभर के लोग स्वस्थ जीवन जी सकें। उन्होंने अपने आव्हान में कहा था कि भारत के लिए प्रकृति का सम्मान अध्यात्म का अनिवार्य हिस्सा है। यह भारत के लिए गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। 21 जून 2015 को सम्पूर्ण विश्व में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। नरेन्द्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन के खतरनाक प्रभावों के चलते दुनिया भर में लोगों के गिरते स्वास्थ्य की समस्या से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अंगीकृत करने हेतु विश्व के तमाम देशों के नेताओं से आव्हान किया था और इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब किसी राष्ट्र द्वारा दिए गए प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 90 दिनों से भी कम अवधि में लागू कर दिया गया हो। उस समय संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष सैम के. कुटेसा ने कहा भी था कि इस प्रस्ताव को इतने सारे देशों द्वारा समर्थन देने से स्पष्ट है कि लोग योग के फायदों के प्रति आकर्षित हो रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर योग दिवस मनाए जाने का उद्देश्य यही है कि इसके जरिये लोगों को शारीरिक व मानसिक बीमारियों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें योग के माध्यम से इसका समाधन उपलब्ध कराया जाए और योग के अद्भुत व प्राकृतिक फायदों के बारे में लोगों को बताकर उन्हें योगाभ्यास के जरिये प्रकृति से जोड़ा जा सका, जिससे समूचे विश्व में चुनौतीपूर्ण बीमारियों की दर घटाने में अपेक्षित सफलता मिल सके। योग को अपनाकर मानसिक शांति प्राप्त करते हुए हर प्रकार की बीमारियों से सहजता से बचा जा सकता है। लोगों के बीच वैश्विक समन्वय मजबूत करने में भी योग सहायक भूमिका निभा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाए जाने का उद्देश्य यही है कि दुनियाभर में लोगों को शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य तथा आध्यात्मिक संतोष के विकास का अनुपम अवसर प्राप्त हो। 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर ही दुनियाभर में मनाया जाता है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री की अगुवाई में ही इस दिन भारत में विशेष आयोजन किया जाता है।

अब प्रतिवर्ष 21 जून को दुनियाभर के 170 से भी ज्यादा देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है, जिसे 'ग्रीष्म संक्रांति' भी कहा जाता है। इस दिन प्रकृति, सूर्य तथा उसका तेज सर्वाधिक प्रभावी रहता है और भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में अत्यंत लाभकारी माना गया है। बहरहाल, योग से न केवल मस्तिष्क की एकाग्रता बढ़ती है बल्कि इससे मांसपेशियों में लचीलापन आता है, शरीर मजबूत बनता है, तनाव और अवसाद दूर होता है, रीढ़ की हड्डी सीधी होती है तथा पीठ दर्द में बहुत आराम मिलता है। इसके अलावा लगभग सभी गंभीर बीमारियों में योग के चमत्कारिक प्रभाव देखे गए हैं। इसलिए स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने तथा रोगों को दूर भगाने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। अब तो आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है। (लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

फिल्म आदिपुरुष और रामानंद सागर की रामायण चर्चाओं में

(लेखक-सनत जैन)

भारत में सबसे पहले रामानंद सागर के निर्देशन में रामायण के एपिसोड का प्रसारण दूरदर्शन से किया गया था। 25 जनवरी 1987 से 21 जुलाई 1988 तक दूरदर्शन में सुबह 9ः30 बजे रामायण सीरियल आता था। इस सीरियल को देखने के लिए भारतवर्ष में सन्नाटा छा जाता था। लोग टीवी के सामने बैठ जाते थे। जिनके घरों में टीवी नहीं था। आसपास के घरों में जाकर टीवी देखा करते थे। 1987 में राजीव गांधी भारत के प्रधानमंत्री थे। दूरदर्शन भी सरकारी मीडिया था। सरकार ने इस सीरियल के प्रसारण की अनुमति दी थी। रामानंद सागर के निर्देशन में इस सीरियल का निर्माण हुआ था। इस सीरियल के लिए शब्दों का चयन रजा साहब ने किया था। जो मुस्लिम धर्म के अनुयाई थे। उन्होंने जिन शब्दों का चयन सीरियल के लिए किया, वह उसकी प्रमाणिकता जानने के लिए नरेंद्र शर्मा से लगातार चर्चा करते थे। भारत के इतिहास में रामायण के 78 एपिसोड प्रसारित किए गए, यह इतना लोकप्रिय सीरियल था। इसे देखने के लिये सड़कों पर सन्नाटा छा जाता था। रामानंद सागर द्वारा निर्देशित इस रामायण के पात्रों का चयन और उनके संवाद को लेकर जो सतर्कता बरती गई थी। सीरियल में धार्मिक भावनाएं और धार्मिक आस्थाओं का ऐसा समावेश था, सभी जाति समुदाय के लोगों ने रामायण सीरियल को देखकर राम के बारे में जाना। हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई सहित सभी धर्मों के लोगों के मन में मर्यादा पुरुषोत्तम राम की प्रति जो आस्था बनी, वह आज भी अकल्पनीय है। भगवान राम, बजरंगबली अब हिंदू आस्था में भारतीय जनता पार्टी, संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल इत्यादि आस्था के प्रतीक हैं। हिंदू धर्म को सबसे ज्यादा आस्थावन लोगों द्वारा आदिपुरुष फिल्म का निर्माण किया। भाजपा शासित मुख्यमंत्रियों ने इस फिल्म के निमार्ण में सहयोग दिया। आदिपुरुष के गीतकार और लेखक मनोज मुंतशिर (शुक्ला) जन्म से ब्राह्मण हैं। राम और बजरंगबली के प्रति उनकी आस्थायें अटूट हो सकती हैं। यह माना जा रहा था, कि आदि पुरुष फिल्म से भारतीय जनता पार्टी को 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव को जीतने के लिए, हिंदू आस्थाओं को जगाने में यह फिल्म बड़ी भूमिका अदा करेगी। भारतीय जनता पार्टी इस फिल्म के सहारे 2024 के लोकसभा चुनाव को जीतने का मंसूबा बना रही थी। इसके निर्माण और प्रसारण के लिए भाजपा और संघ के अनुवांशिक संगठनों के साथ-साथ केंद्र सरकार और कई राज्य सरकारें भी, इस फिल्म के प्रमोशन में सहयोग कर रही थी। आदिपुरुष फिल्म का प्रदर्शन बड़े जोर शोर से किया गया। बड़े पैमाने पर फिल्म का प्रचार-प्रसार हुआ। भाजपा संघ के नेताओं के साथ-साथ मुख्यमंत्रियों ने भी इस फिल्म के प्रमोशन में खुलकर भागीदारी की। पर्दे पर फिल्म प्रदर्शन के बाद अब सभी हिंदू संगठन और भाजपा इससे बचती हुई नजर आ रही हैं। फिल्म का निर्माण, उसके संवाद, उसके पात्रों को काल्पनिक ढंग से जिस तरह से राम, रावण और बजरंगबली के रूप में प्रस्तुत किया गया है। उसकी सारे देश में घोर निंदा हो रही है। रामानंद सागर की रामायण सीरियल के संवाद और प्रस्तुतीकरण के साथ-साथ रामायण के साथ उसकी प्रमाणिकता ने समाज के सभी वर्गों को प्रभावित किया था। वर्तमान में आदि पुरुष फिल्म के निर्माण में जिस तरह की फूहड़ता और काल्पनिक ढंग से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम, सीता मैया, बजरंगबली और रावण के चरित्र को दर्शाया गया है। उसकी हर जगह निंदा हो रही है। नेपाल ने भारतीय फिल्मों के दिखाए जाने पर रोक लगा दी गई है। करणी सेना, राष्ट्रीय हिंदू सेना एवं भाजपा के विधायक और मंत्री भी इस फिल्म को लेकर अपनी नाराजगी जता रहे हैं। आदिपुरुष के निर्माता निर्देशक लेखक मनोज मुंतशिर शुक्ला भी डायलॉग को सुधारने की बात कर रहे हैं। लेकिन फिल्म प्रदर्शन के बाद जो तीव्र प्रतिक्रिया आम जनता के बीच में देखने को मिल रही है। उसमें यह कहा जा सकता है, कि फिल्म ने करोड़ों रुपए की कमाई भले कर ली हो। इस फिल्म के प्रसारण से हिंदुत्व के मुद्दे पर सबसे ज्यादा नुकसान भारतीय जनता पार्टी और संघ के अनुवांशिक संगठनों को हुआ है। हिंदुत्व को लेकर जो ठेकेदारी, भारतीय जनता पार्टी ने अभी तक ले रखी थी। उसमें आम जनता के मन में अब वह आस्था और विश्वास नहीं रहा, जो पिछले वर्षों में भारतीय जनता पार्टी ने बनाने की कोशिश की थी।

नियमित योग से बने शरीर के साथ मानसिक रूप से भी मजबूत

योग के महत्व को अब संपूर्ण विश्व जानने लगा है। नियमित योग करते रहने से जहां आप शारीरिक रूप से सेहतमंद बने रह सकते हैं वहीं आप मानसिक रूप से भी मजबूत बन सकते हैं। मन की मजबूत से ही जीवन में सफलता मिलती है। आओ जानते हैं कि किस तरह होगा यह संभव।

1.योगासन

बचपन में हमारा शरीर लचकदार था। उम्र बड़ने के साथ हड्डियां कड़क होती गई। हार्ड बोन के टूटने का खतरा भी बढ़ जाता है। एक बच्चा जब छोटी-मोटी जगह से गिरता है तो फ्रेक्चर होने के कम चांस है, लेकिन जवान व्यक्ति जब गिरता है तो फ्रेक्चर होने के चांस ज्यादा होते हैं। योग हमारी हड्डियों को फिर से लचकदार बनाकर लंबे समय तक उनके कैल्शियम के क्षरण को रोकता है।

योगासन का शरीर लचीला और सॉफ्ट होता है। इसे अतिरिक्त भोजन की आवश्यकता नहीं होती और यह सभी तरह के रोग से बचने की क्षमता रखता है। लगातार योग करने के बाद योग छोड़ भी देते हैं तो इससे शरीर में किसी भी प्रकार का ढलाव नहीं आता और हाथ-पैर में दर्द भी नहीं होता। जब स्फूर्ती दिखाने का मौका होता है तो यह शरीर एकदम से सक्रिय होने की क्षमता रखता है।

यदि आहार नियम का पालन करते हुए लगातार सूर्य नमस्कार के साथ आप योग के प्रमुख आसन करते रहते हैं तो 4 माह बाद आपका शरीर एकदम लचीला होकर स्वस्थ हो जाएगा। आप हरदम एकदम तरो-ताजा और खुद को युवा महसूस करेंगे। योगासनों के नियमित अभ्यास से मेरूदंड सुदृढ़ बनता है जिससे शिराओं और धमनियों को आराम मिलता है। शरीर के सभी अंग-प्रत्यंग सुचारु रूप से कार्य करते हैं। यही मस्तिष्क को सुदृढ़ करने का प्रारंभिक चरण है।

2. प्राणायाम

मस्तिष्क की कार्य क्षमता और मजबूती बढ़ती है प्राणायाम से। इससे मस्तिष्क में ऑक्सिजन का लेवल बढ़ जाता है। प्राणायाम करते रहने से मन में कभी भी उदासी, खिन्नता और क्रोध नहीं रहता है। मन हमेशा प्रसन्नचित्त रहता है जिसके चलते आपके आसपास एक खुशनुमा माहौल बन जाता है। आप जीवन में किसी भी विपरीत परिस्थिति से हताश या निराश नहीं होंगे। आप चाहें तो ध्यान को भी अपनी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाकर मस्तिष्क को और भी मजबूत कर सकते हैं।

मस्तिष्क में किसी भी प्रकार का द्वंद्व और विकार नहीं रहता है। व्यक्ति की सोच बहुत ही विस्तृत होकर परिष्कृत हो जाती है। परिष्कृत का अर्थ साफ-सुथरी व स्पष्ट। ऐसे में व्यक्ति की बुद्धि बहुत तीक्ष्ण हो जाती है तथावह जो भी बोलता है, सोच-समझकर ही बोलता है। भावनाओं में बहकर नहीं बोलता है। योग करते रहने का प्रभाव यह होता है कि शरीर, मन और मस्तिष्क के ऊर्जावान बनने के साथ ही आपकी सोच बदलती है। सोच के बदलने से आपका जीवन भी बदलने लगता है। योग से सकारात्मक सोच का विकास होता है।

यदि किसी भी प्रकार का मानसिक रोग है तो वह मिट जाएगा, जैसे चिंता, घबराहट, बेचैनी, अवसाद, शोक, शंकालु प्रवृत्ति, नकारात्मकता, द्वंद्व या भ्रम आदि। एक स्वस्थ मस्तिष्क ही खुशहाल जीवन और उज्ज्वल भविष्य की रचना कर सकता है। योग से जहां शरीर की ऊर्जा जाग्रत होती है, वहीं हमारे मस्तिष्क के अंतरिम भाग में छिपी रहस्यमय शक्तियों का उदय होता है। जीवन में सफलता के लिए शरीर की सकारात्मक ऊर्जा और मस्तिष्क की शक्ति की जरूरत होती है। यह सिर्फ योग से ही मिल सकती है, अन्य किसी कसरत से नहीं।

3. ध्यान

लगातार ध्यान करते रहने से कम होने लगते हैं मन में विचार, श्वास-प्रश्वास में होता सुधार, सकारात्मक सोच का होता है निर्माण, अनावश्यक भय, चिंता और डिप्रेशन होता है दूर और मस्तिष्क में होता है प्राणों का संचार। साथ ही ब्लड प्रेशर होता नियंत्रित, मोमोरी पॉवर बढ़ती, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती, आंखों की ज्योति बढ़ती और मन होता है मजबूत।

मस्तिष्क और मन को निरोग रखता है योग

योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है। योग सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं है बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। जब समाज अच्छा होगा तो देश की प्रगति में हमारा अहम योगदान होगा। 21 जून यानी की आज विश्व योग दिवस है। पहली बार यह 2015 को मनाया गया। यह भारत के प्रयास से ही सफल हो सका है। पूरी दुनिया आज योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है। विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। कोरोना संक्रमण काल में भी योग हमारे लिए संजीवनी साबित हो रहा है। हम योग को अपना कर इस महामारी में भी अपने स्वस्थ रख सकते हैं।

भगवान कृष्ण ने गीता में स्वयं कहा है कि 'योगः कर्मसु कौशलम' यानी हमारे कर्मों में सर्वश्रेष्ठ योग है। योग यज्ञ है और यज्ञ कर्म है। योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य भी है। योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि 'योगस्थः कुरु कर्माणि' इसका तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सद्चित कर्म संभव है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है।

भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है। 11 दिसम्बर 2014 को इसका प्रस्ताव दिया था। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के 177 देशों ने भारत के पक्ष में वोट किया था, जिसके बाद भारत दुनिया का विश्वगुरु बन गया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 90 दिनों के भीतर पीएम मोदी के प्रस्ताव को मंजूर किया। हम योग के 21 आसनों को अपनाकर अपनी जिंदगी को सुखी, शांत और निरोगी बनाकर खुशहाल जीवन जी सकते हैं। जब हम तन और मन से स्वस्थ रहेंगे तो राष्ट्र निर्माण और उसके विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं।

योगगुरु बाबा रामदेव योग को वैश्विक मान्यता मिलने पर इसे भारत की जीत बताया था। दुनिया योग को अपने जीवन की दिनचर्या बना लिया है। योग संपूर्ण जीवन और चिकित्सा पद्धिति बन गया है। दुनिया में शांति युद्ध से नहीं योग से आएगी। भारत के साथ दुनिया में 20 करोड़ से अधिक लोग योग साधना का लाभ उठा रहे हैं। आधुनिक युग की व्यस्त दिनचर्या में योग हमारे लिए अमृत है। अपनी जिंदगी को खुशहाल और डिप्रेशन मुक्त बनाने के लिए योग हमें खुला आकाश देता है। हम धर्म, जाति, भाषा, संप्रदाय के साथ बंधकर स्वयं के साथ देश का अहित करेंगे।

योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। चित्त की निरुद्ध अवस्था लययोग में आती है। राजयोग सभी योगों से श्रेष्ठ बताया गया है। महर्षि पतंजलि की योग परंपरा भारत में अधिक संमृद्धशाली है। योगगुरु बाबा रामदेव आज पतंजलि योग व्यवस्था के संवाहक बने है। दुनिया भर में योग की महत्व स्थापित करने में पतंजलि योग संस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

योग और आयुर्वेद को उन्होंने वैश्विक स्वीकारोक्ति बना दिया है। पतंजलि योग साधना के आठ आयाम हैं। जिसमें यम, नियम, आसन, प्रणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि है। योग का संबंध सिंधु घाटी सभ्यता से भी है। प्राचीन काल की कई मूर्तियां योग मुद्रा में स्थापित हैं।

भगवान शिव को योग मुद्रा में देखा जा सकता है। बुद्ध की मूर्तियां भी योग साधना में स्थापित हैं। बौद्ध और जैनधर्म में भी योग की महत्ता पर काफी कुछ है। बौद्ध और धर्म के अलावा ईसाई और इस्लाम में सूफी संगीत परंपरा में भी योग की बात आई हैं। भारत की योग व्यस्था को पटल पर लाने में योग गुरु बाबा रामदेव और बीकेएस अंयगर के योगदान को नहीं भूलाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से संयुक्तराष्ट्र संघ ने भी योग के महत्व को स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री मोदी योग को लेकर स्वयं बेहद जागरूक है। वह योग करते हुए अपने कई वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। फिट इंडिया, हिट इंडिया उनका मूलमंत्र है। इसके साथ वह लोगों से अपील करते हैं कि आप योग के जरिए अपने मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखें, जिससे आपका सहयोग देश के विकास में अच्छे तरीके से हो।

विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम तनाव की जिंदगी दे रहा है। जिंदगी की गति अधिक तेज हो चली है। लोगों के जीने का नजरिया बदल रहा है। काम का अधिक दबाव बढ़ रहा है इससे हाईपर टेंशन, और दूसरी बीमारियां फैल रही हैं। तनाव का सबसे बेहतर इलाज योग विज्ञान में हैं, वहीं लोगों में सुंदर दिखने की बढ़ती ललक भी योग और आयुर्वेद विज्ञान को नया आयाम देगी। यह पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। आम आदमी के जिंदगी में तनाव तेजी से बढ़ रहा है।

पूरी जिंदगी असंमित हो गई है, जिसकी वजह से परिवार में तनाव और झगड़े होते हैं। लोगों के पास आज पैसा है लेकिन शांति नहीं है, जिसकी वजह से परिवार में संतुलन गायब है। लोग खुद से संतुष्ट नहीं है। इस स्थिति से निकालने के लिए योग सबसे बेहतर उपाय हो सकता है। इसलिए भाग दौड़ की जिदंगी को अगर संयमित और संतुलित करना है तो मन को स्थिर रखना होगा। जब तक हमें मानसिक शांति नहीं मिलेगी तब तक हम जीवन के विकारों से मुक्त नहीं हो सकते हैं। उस स्थिति में योग ही सबसे सरल और सुविधा युक्त माध्यम हमारे पास उपलब्ध है।

हमारी हजारों साल की वैदिक परंपरा को वैश्विक मंच मिला है। योग का प्रयोग अब दुनिया भर में चिकित्सा विज्ञान के रूप में भी होने लगा है, उसे स्थिति हमें अपने जीवन के साथ जीने का नजरिया भी बदलना होगा। योग से संबंधित यूनिवर्सिटी, शोध संस्थान, आयुर्वेद मेडिसिन उद्योग नई उम्मीदें और आशाएं लेकर आएगा। भारत और दुनिया भर में योग के लिए संस्थान स्थापित हुए हैं। योग को पर्यटन उद्योग के रूप में विकसित किया जा सकता है। योग स्वस्थ दुनिया की तरफ बढ़ता कदम है।

सुबह की शुरुआत प्राणायाम के साथ कीजिए

प्राणायाम अष्टांग योग का चौथा अंग है। जब तक शरीर में प्राणवायु है तब तक ही आयु है। प्राचीन ऋषि वायु के इस रहस्य को समझते थे तभी तो उन्होंने बढ़ती उम्र को रोक देने का शॉर्ट कट निर्मित किया। श्वास को लेने और छोड़ने के दरमियान घंटों का अंतराल प्राणायाम के अभ्यास से ही संभव हो पाता है। कछुए की सांस लेने और छोड़ने की गति इंसानों से कहीं अधिक दीर्घ है। व्हेल मछली की उम्र का राज भी यही है। प्राणायम के माध्यम से आपने यदि सांसों को साथ लिया तो आपकी आयु भी बढ़ जाएगी और कभी कोई रोग नहीं होगा। आओ जानते हैं कि कैसे साधें सांसों को।

सुबह की शुरुआत अनुलोम विलोम से करें- प्राणायाम करते समय 3 क्रियाएं करते हैं- 1.पूरक, 2.कुंभक और 3.रेचक। अनुलोम विलोम में कुंभक नहीं करते हैं। मतलब श्वास लेना और छोड़ना होता है। श्वास लेने की क्रिया को पूरक और श्वास छोड़ने को रेचक कहा जाता है। श्वास अंदर रोकने की क्रिया को कुंभक कहते हैं। अंदर रोके या श्वास बाहर छोड़कर रोक लें। रोकने की क्रिया करते हैं तो नाड़िशोधन प्राणायाम होगा। फेफड़ों के भीतर वायु को नियमानुसार रोकना, आंतरिक और पूरी श्वास बाहर निकालकर वायुरहित फेफड़े होने की क्रिया को बाहरी कुंभक कहते हैं। अनुलोम विलोम में हमें श्वास को रोकना नहीं है बस नियम से लेना और छोड़ना है।

कैसे करें अनुलोम और विलोम?

1. सबसे पहले आसन पर आलकी-पालकी मारकर शुद्ध वायु में बैठ जाएं।
2. इसके बाद दाएं अंगूठे से अपनी दाहिनी नाक को बंद करें। इस दौरान तर्जनी अंगुली को अंगूठे के नीचे के हिस्से पर हल्के से दबाकर रखें।
3. अब बाईं नासिका से श्वास को भीतर तक खींचे और फिर अनामिका अंगुली से बाईं नासिका को बंद करके अंगूठे को दाईं नासिका से हटाकर श्वास छोड़ दें।
4. अब दाईं नासिका से श्वास को भीतर तक खींचे और फिर अंगूठे से दाईं नासिका बंद करने के बाद अनामिका अंगुली को बाईं नासिका से हटाकर श्वास छोड़ दें।
5. अब बाईं नासिका से श्वास को भीतर तक खींचे और फिर अनामिका अंगुली से बाईं नासिका को बंद करके अंगूठे को दाईं नासिका से हटाकर श्वास छोड़ दें।

अवधिः इसी प्रक्रिया को कम से कम 5 मिनट तक दोहराते रहें। मतलब बाईं नाक से श्वास लेकर दाईं से छोड़ना और दाईं से श्वास लेकर बाईं से छोड़ना। यही अनुलोम विलोम प्राणायाम है।

इसके 10 फायदे

1. इससे तनाव, चिंता और अवसाद घटता है और शांति मिलती है।
2. यह मस्तिष्क और फेंफड़ों में ऑक्सिजन का लेवल बढ़ा देता है।
3. इसे नियमित करने से नेत्र ज्योति बढ़ती है
4. इससे रक्त संचालन सही बना रहता है।
5. मस्तिष्क के सभी विकारों को दूर करने में यह प्राणायम सक्षम है।
6. फेंफड़ों में जमा गंदगी बहार होती है और फेंफड़े मजबूत बनते हैं।
7. अनिद्रा रोग में यह प्राणायाम लाभदायक है।
8. इस प्राणायाम को करते समय यदि पेट तक श्वास खींची जाए तो यह पाचन क्रिया को मजबूत बनाता है। डाइजेशन सही होता है।
9. इससे नकारात्मक चिंतन से चित्त दूर होकर आनंद और उत्साह बढ़ जाता है।
10. अस्थमा, एलर्जी, साइनोसाइटिस, पुराना नजला, जुकाम आदि रोगों में भी यह प्राणायाम लाभदायक सिद्ध हुआ है।

शारीरिक और मानसिक फिटनेस के लिए करें योग

योग हमें शारीरिक ओर मानसिक रुप से फिट बनाये रखता है। आज के वयस्त समय में व्यक्ति रोगों का शिकार बनता जा रहा है इसके साथ ही मधुमेह और रक्तचाप सहित कई बीमारियों उसे घेरती जा रही है। ऐसे में स्वस्थ रहने उसे योग का सहारा लेना चाहिये। अपने पूरे ट?यक्तिव को निखारने और सामाजिक, ट?यक्तिगत, शारीरिक और मानसिक रूप से बेहरत बनने के लिए योग सबसे बेहतर है।

दंडासन

यह एक बैठ कर करने वाला आसन है, जिसे लंबे समय तक करने से कई फायदे मिलते हैं। जिन लोगों के पैरों में दर्द रहता है वे इस आसन को 5 से 10 मिनट ज़रूर करें। इसे करने के लिए आप पैरों को आगे की तरफ खोलकर बैठ जाएं और कमर को सीधी रखें। जब हम अधिक देर तक इसी अवस्था में बैठते हैं, तो शरीर में बेहतर तरीके से रक्त प्रवाह होता है और पैरों का दर्द ठीक होने लगता है।

शलभासन

पेट के बल लेट जाएं और जांघ के नीचे अपनी दोनों हाथों की हथेलियों को दबाएं। अब बिना घुटनों को मोड़े दोनों पैरों को धीरे से एक साथ उठाने का प्रयास करें। अब ऐसे ही 5 तक की गिनती करें। अब पैरों को धीरे से नीचे रख लें। ऐसा दोबारा करें. कमर दर्द को ठीक करने में ये आसन काफी लाभदायक है।

तितली आसन

पैरों को मोड़कर तलवों को एक-दूसरे से लगाकर बैठें और कमर गर्दन सीधी रखें। अब हाथों से दोनों तलवों को पकड़कर रखें और घुटनों से पैरों को तितली की तरह उठाएं और नीचे करें। ऐसा आप कुछ देर तक करें।

वक्रासन

दाहिने पैर को बाएं पैर के घुटनों के पास रखें। दाएं हाथ को पीछे की तरफ रखें। बाएं हाथ को ऊपर की तरफ उठाएंगे और शरीर को घुमाते हुए बाएं हाथ से दाहिने पैर के घुटनों को धकेलते हुए पैरों पर हाथ का ग्रिप बनाएं। गर्दन को धीरे से पीछे की तरफ घुमाएं. अब 10 तक की गिनती करें। धीरे से गर्दन को सामने, हाथ को वापस, पैरों को भी वापस अपनी जगह पर रखें। इसी तरह अब बाईं तरफ से ये सारी प्रक्रिया दुहराएं। मधुमेह मरीजों के लिए यह बहुत लाभदायक है जिन लोगों को कब्ज की समस्या है, उन्हें भी इसका नियमित अभ्यास करना चाहिए।

कामधेनु पेंट्स को 2027-28 तक 1,000 करोड़ राजस्व पहुंचाने का लक्ष्यः सीएमडी

नई दिल्ली । कामधेनू पेंट्स 2027-28 तक अपने राजस्व को चार गुना बढ़ाकर इसे 1,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य बना रही है। कंपनी के सीएमडी सतीश कुमार अग्रवाल ने बताया कि 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी ने करीब 251 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया था। कामधेनु समूह ने हाल ही में भारत में दो खंडों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए अपने पेंट और इस्पात कारोबार को अलग किया था। उन्होंने कहा कि हमें वित्त वर्ष 2027-28 के अंत तक राजस्व में चार गुना वृद्धि के साथ इसके 1,000 करोड़ रुपए तक होने की उम्मीद है। बीते वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी ने 251 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया था। अग्रवाल ने आगे कहा कि कंपनी के उत्पादों की बढ़ती मांग के साथ कामधेनु पेंट्स नए उत्पादों की पेशकश कर अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करेगी। साथ ही देश के दक्षिण और पश्चिमी क्षेत्रों में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने डीलरों और वितरण नेटवर्क को वर्तमान में 4,000 से बढ़ाकर 8,000 से अधिक करके उत्तर और पूर्वी क्षेत्रों में विस्तार करेगी।

व्हाट्सएप ने एंड्रॉइड बीटा पर उन्नत मीडिया पिकर रोल आउट किया

सैन फ्रांसिस्को । मेटा-स्वामित्व वाला मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप एंड्रॉइड बीटा पर गिने-चुने थंबनेल के साथ एक उन्नत मीडिया पिकर रोल आउट कर रहा है। डब्ल्यूएबीइटीए की रिपोर्ट के अनुसार प्रत्येक चयनित आइटम को अब नए मीडिया पिकर द्वारा एक नंबर दिया जाता है, जो उसके थंबनेल पर दिखाया जाता है। यह क्रमांकन योजना उपयोगकर्ताओं को एक स्पष्ट दृश्य संदर्भ प्रदान करती है और उस क्रम से संबंधित होती है, जिसमें मीडिया आइटम चुने जाते हैं। पहले जब उपयोगकर्ता मीडिया को भेजने के लिए चुनते थे, तो पसंद का संकेत देते हुए एक साधारण चेकबॉक्स दिखाया जाता था। हालांकि इसने अपना लक्ष्य पूरा कर लिया, लेकिन मीडिया उपयोगकर्ताओं द्वारा चुने गए अनुक्रम को याद रखना अक्सर मुश्किल होता था, खासकर जब बड़ी संख्या में चीजों का चयन किया जाता था। हालांकि, नई सुविधा के साथ, बीटा उपयोगकर्ता अब उस क्रम पर नियंत्रण बनाए रख सकते हैं, जिसमें मीडिया आइटम भेजे जाते हैं। यह उपयोगकर्ताओं को मीडिया भेजने से पहले आवश्यक समायोजन करने की अनुमति देकर भी मदद करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्नत मीडिया पिकर वर्तमान में कुछ बीटा परीक्षकों के लिए उपलब्ध है, जो एंड्रॉइड अपडेट के लिए नवीनतम व्हाट्सएप बीटा स्थापित करते हैं, और आने वाले दिनों में और भी अधिक उपयोगकर्ताओं के लिए रोल आउट होने की उम्मीद है।

अप्रैल में ईएसआईसी ने जोड़े 17.88 लाख नए अंशधारक

नई दिल्ली । कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अप्रैल में 17.88 लाख नए सदस्य जोड़े। नवीनतम आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। श्रम मंत्रालय ने कहा कि ईएसआईसी के शुरुआती पेरोल आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल, 2023 के महीने में 17.88 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं। इस महीने में लगभग 30,249 नए प्रतिष्ठान ईएसआईसी के तहत पंजीकृत हुए और उनके कर्मचारी ईएसआईसी के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाए गए। ईएसआईसी श्रमिकों के लिए एक सामाजिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य योजना के तौर पर कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) का संचालन करता है। यह तीन करोड़ से अधिक बीमित व्यक्तियों के लिए कोष का प्रबंधन करता है। मंत्रालय के मुताबिक अप्रैल में युवाओं के लिए अधिक नौकरियां सृजित हुईं। इस महीने में शामिल 17.88 लाख नए कर्मचारियों में से 8.37 लाख कर्मचारी 25 वर्ष तक की उम्र के थे। यह कुल नए कर्मचारियों का 47 प्रतिशत है।

सेबी ने आईआईएफएल को नए ग्राहक जोड़ने से दो साल के लिए रोका

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ब्रोकरेज कंपनी आईआईएफएल सिक्योरिटीज (पूर्व इंडिया इन्फोलाइन लिमिटेड) को नए ग्राहक जोड़ने से दो साल के लिए रोक दिया है। ग्राहकों के कोष के दुरुपयोग पर नियामक ने यह कदम उठाया है। सेबी ने अप्रैल, 2011 से जनवरी, 2017 की अवधि के लिए आईआईएफएल के खातों का कई बार निरीक्षण करने के बाद यह आदेश जारी किया है। अपनी जांच में सेबी ने पाया कि आईआईएफएल ने अप्रैल, 2011 से जून, 2014 तक अपने मालिकाना लेनदेन वाले शेयर कारोबार सौदों के निपटान के लिए ग्राहकों के बचे हुए कोष का इस्तेमाल किया। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य एसके मोहंती ने अपने आदेश में कहा कि पूरा ब्योरा देखने के बाद मुझे यह नतीजा निकालने में कोई समस्या नहीं है कि कंपनी ने अपने ग्राहकों के कोष का दुरुपयोग कर सेबी के 1993 के परिपत्र के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। कई सालों से सेबी की आईआईएफएल पर नजरें थीं। सेबी ने जब ब्रोकरेज कंपनी के अकाउंट्स का निरीक्षण किया था और इस बात की जांच की थी कि वो नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं। सेबी को अपनी जांच में सेबी को पता चला कि आईआईएफएल सिक्योरिटीज अपने फंड्स और ग्राहकों के फंड को अलग-अलग नहीं कर रही है। इसके साथ ही इसने डेबिट बैलेंस रखने वाले कस्टमर्स के फायदे के लिए क्रेडिट बैलेंस रखने वाले क्लाइंट्स के फंड का गलत इस्तेमाल किया था। सेबी ने ये फैसला अचानक नहीं लिया है बल्कि नियामक ने साल 2011 से 2017 के दौरान आईआईएफएल को ग्राहकों के आर्थिक हितों से समझौता करने का दोषी पाया है और इसके बाद ही 2 साल के लिए नए क्लाइंट्स जोड़ने से रोकने का कड़ा फैसला लिया है।

एबीआरडीएन भारत की एचडीएफसी एएमसी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचेगी

मुंबई । यूके की इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर फर्म एबीआरडीएन इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट` लिमिटेड भारत की एचडीएफसी में अपनी पूरी 10.2 प्रतिशत हिस्सेदारी 3,920 करोड़ रुपए या उससे अधिक में बेच सकती है। इस डील के लिए एचडीएफसी एएमसी के शेयर एनएसई और बीएसई के स्क्रीन-आधारित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर बेचे जाएंगे। बता दें कि मंगलवार की ब्लॉक डील्स के लिए प्राइस बैंड 1,800 रुपए से 1,892 रुपए के बीच सेट किया गया है। सोमवार को कंपनी का शेयर 1.34 फीसदी गिरकर 1892 रुपए के भाव पर बंद हुआ था। ब्लॉक डील के तहत लगभग 2.18 करोड़ शेयर बेचे जाएंगे, जो एचडीएफसी एएमसी के मौजूदा कुल बकाया शेयरों का लगभग 10.2 प्रतिशत है। इसके अलावा लेनदेन राशि के लिए ब्रोकरेज कमीशन और अन्य शुल्क 25 बेसिस पॉइंट्स अंक हैं, जिसका भुगतान खरीदार द्वारा किया जाएगा। हालांकि, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि शेयरों के लिए कोई भी ऑर्डर पूरी तरह या आंशिक रूप से पूरा होगा। वहीं शेयरों का आवंटन ऑपरेशनल मैकेनिक्स और भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों के स्क्रीन-आधारित ट्रेडिंग सिस्टम के तहत होगा।

एप्पल ने मई में आईफोन के एक्सपोर्ट का नया रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली । मेक इन इंडिया अभियान के बल पर आज देश में ज्यादातर स्मार्टफोन कंपनियां अपने डिवाइस का` निर्माण कर रही हैं। इन में से एक एप्पल है, जिसने मई के महीने में आईफोन के एक्सपोर्ट का नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी ने एक महीने में 10 हजार करोड़ रुपए के आईफोन एक्सपोर्ट किए हैं। इसके साथ ही अब भारत में स्मार्टफोन का कुल एक्सपोर्ट का आंकड़ा 12 हजार करोड़ तक पहुंच गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एप्पल ने पिछले वर्ष की तुलना में इस साल अप्रैल व मई में 20 हजार करोड़ से अधिक के आईफोन भारत से एक्सपोर्ट किए हैं। आईफोन का निर्यात चार गुना बढ़ गया है। भारत से एक्सपोर्ट होने वाले फोन्स में आईफोन की 80 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इसके बाद कोरियन ब्रांड सैमसंग का नाम आता है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि चीन और अमेरिका के बीच चल रही तनातनी की वजह से एप्पल ने भारत की तरफ रुख किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनी चीन पर अपनी निर्भरता को खत्म करने के लिए साल 2025 तक 25 प्रतिशत मैन्युफैक्चरिंग भारत में करने की योजना बना रही है। बता दें कि वर्तमान में केवल पांच से सात प्रतिशत आईफोन का निर्माण देश में होता है एप्पल इस वक्त भारत से यूके, इटली, फ्रांस, मध्य पूर्व, जापान, रूस और जर्मनी जैसे देशों में आईफोन एक्सपोर्ट करता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 159, निफ्टी 61 अंक उछला

मुम्बई।

शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुए। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी खरीददारी हावी होने से आई है। वहीं दुनिया भर के बाजारों से आज कमजोर संकेत मिले जिससे बाजार पर दबाव पड़ा। कारोबार के दौरान बीएसई के 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 159.40 अंक करीब 0.25 फीसदी बढ़कर 63,327.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,440.19 तक ऊपर जाने के बाद 62,801.91 तक फिसला। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी भी 61.25 अंक तकरीबन 0.33 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,839.70 की उंचाई तक जाने के बाद 18,660.65 तक गिरा।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 19 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इसमें टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक करीब 3.10 फीसदी तक बढ़े। वहीं एचसीएल टेक, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा और एनटीपसीसी के शेयर भी लाभ वाले शीर्ष पांच शेयरों में रहे।

दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 11 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। बजाज फाइनैंस के शेयर सबसे अधिक 1.86 फीसदी तक गिरे जबकि बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट सेंसेक्स के टॉप 5 नुकसान वाले शेयर रहे।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले। हालांकि प्री-ओपनिंग के समय बाजार में हल्की गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 250 अंक गिरकर 62,938.47 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 भी 67.45 अंक की गिरावट के साथ 18,688 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सुबह एसजीएक्स निफटी की भी शुरुआत गिरावट के साथ हुई है। ये 45 अंक गिरकर 18,829 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी बाजार में डाओ जोंस, नेस्डेक कम्पो जिट और एसएंडपी 500 सूचकांकों में 0.6 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली। एशिया-प्रशांत बाजार भी मंगलवार के शुरुआती कारोबार में मिश्रित कारोबार करता हुआ दिखा।

योग हमारा, लेकिन कमाई कर रहे चीन, अमेरिका और जर्मनी

योगा मैट से करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली ।

पूरी दुनिया वर्तमान में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग को अपना रही है। जीवन में योग के इसी महत्व को दर्शाने के लिए पूरा विश्व हर साल इंटरनेशनल योगा डे मनाता है। 21 जून को इंटरनेशनल योगा डे मनाया जाएगा। योग अब धीरे-धीरे एक बड़ा बाजार भी बन चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2019 तक पूरी दुनिया में योग का कारोबार 3 लाख करोड़ रुपये का हो चुका था। रिपोर्ट में ये भी अनुमान लगाया गया था कि साल 2027 तक बाजार 75 प्रतिशत बढ़कर 5 लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा। योग का बाजार लगातार तेजी से बढ़ता जा रहा है।

योग करने के लिए पूरी दुनिया में योगा मैट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। इसकारण योगा मैट का कारोबार भी बढ़ता जा रहा है। यूके, यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में योग मैट का खूब इस्तेमाल हो रहा है। भारत में भी लोग जमकर योग मैट खरीदते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, योग मैट सबसे ज्यादा जर्मनी, यूएसए और चीन में बनते हैं। इन मैट को स्टिकी मैट न कहकर योग मैट का नाम मिल चुका है। अब नाइकी और रीबॉक जैसी बड़ी कंपनियां भी योग मैट को बेच रही हैं। योग मैट की इंडस्ट्री बिलियन डॉलर की हो चुकी है। भारत में योग मैट का अभी निर्माण नहीं हो रहा है। यहां पर ज्यादातर योग मैट चीन से ही आती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए चीन से योग मैट आयात किए गए थे। जिसके लिए भारत ने 92 लाख रुपये खर्च किए थे।

मारुति सुजुकी इनविक्टो की बुकिंग शुरू

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एसएमआईएल) ने बहुप्रतीक्षित यूटिलिटी व्हीकल (यूवी) इनविक्टो की प्री-लॉन्च बुकिंग शुरू कर दी है। कंपनी ने कहा कि इनविक्टो प्रीमियम 3-पंक्ति श्रेणी में कंपनी के की दमदार एंट्री को प्रदर्शित करता है। कार्गो स्पेस, बेहतर प्रदर्शन, उन्नत तकनीक और उपयोगिता सुविधाओं की चाहत रखने वाले ग्राहक इसकी बुकिंग नेक्सा चैनल के माध्यम से कर सकते हैं। ग्राहक किसी भी नेक्सा शोरूम में 25000 रुपए के शुरुआती भुगतान के साथ या नेक्सा की वेबवाइट पर लॉग इन करके ब्रांड की शिखर पेशकश को प्री-बुक कर सकते हैं। इसके अलावा कंपनी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर इनविक्टो के लिए एक बुकिंग ओपन अभियान भी शुरू किया है। इस यूवी की लॉन्चिंग इस वर्ष 05 जुलाई को होगी।

पेरिस में 54वें इंटरनेशनल एयर शो के अवसर पर लोग चीन की एविएशन इंडस्ट्री के स्टैंड पर पहुंचे। इसमें कई प्रकार के ड्रोन पेश किये गये हैं।

जूते-चप्पल जैसे 24 फुटवियर उत्पादों पर एक जुलाई से लागू होंगे नए गुणवत्ता मानक

नई दिल्ली ।

जूते-चप्पल जैसे फुटवियर उत्पादों के बड़े व मझोले स्तर के विनिर्माताओं और सभी आयातकों को एक जुलाई से 24 उत्पादों के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानकों का पालन करना होगा। चीन जैसे देशों से खराब गुणवत्ता वाले उत्पादों का आयात रोकने के लिए ये मानक लागू किए जा रहे हैं। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने कहा कि फिलहाल ये गुणवत्ता मानक बड़े व मझोले स्तर के विनिर्माताओं और आयातकों के लिए ही लागू किए जा रहे हैं लेकिन एक जनवरी, 2024 से छोटे स्तर के फुटवियर विनिर्माताओं के लिए भी इनका पालन करना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि इस समयसीमा में आगे कोई और छूट नहीं दी जाएगी। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) से गुणवत्तापूर्ण फुटवियर उत्पादों का घरेलू उत्पादन सुनिश्चित हो सकेगा और खराब गुणवत्ता वाले उत्पादों के आयात पर भी लगाम लगेगी। सरकार ने अक्टूबर, 2020 में 24 फुटवियर एवं संबंधित उत्पादों के लिए क्यूसीओ को अधिसूचित किया था लेकिन बाद में इसकी समयसीमा तीन बार बढ़ाई जाती रही। इस बार भी फुटवियर विनिर्माता इसे आगे बढ़ाने की मांग कर रहे थे लेकिन सरकार ने इसे एक जुलाई से लागू करने का फैसला कर लिया है। इन मानकों में फुटवियर बनाने में इस्तेमाल होने वाले चमड़े, पीवीसी और रबड़ जैसे कच्चे माल के अलावा सोल एवं हील के बारे में निर्देश दिए गए हैं। ये मानक रबड़ गम बूट, पीवीसी सैंडल, रबड़ हवाई चप्पल, दंगा-रोधी जूते आदि पर लागू होंगे।

इंडिगो 500 फैमिली विमान खरीदेगी

मुंबई ।

एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने विमान खरीदने का अब तक का अपना सबसे बड़ा ऑर्डर दिया है। कंपनी के मुताबिक इंडिगो 500 नए एयरबस ए320 फैमिली एयरक्रॉफ्ट खरीदने जा रही है। किसी भी भारतीय एयरलाइंस द्वारा एक साथ दिया जाने वाला ये सबसे बड़ा आर्डर है। इन विमानों की डिलिवरी 2020 से 2035 के बीच किए जाने की उम्मीद है। बता दें कि एविएशन सेक्टर में लगातार मांग बढ़ रही है। पिछले कुछ सालों में हवाई यात्रियों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है। साल की शुरुआत में टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया ने भी एयरबस और बोइंग को सम्मिलित रूप से 470 विमानों की आपूर्ति का ऑर्डर दिया था। इंडिगो के बेड़े में फिलहाल 300 से अधिक विमान हैं। हालांकि, इसने पहले भी 480 विमानों के ऑर्डर दिए थे लेकिन अभी तक उनकी आपूर्ति नहीं हो पाई है। इंडिगो ने बयान में कहा` कि वर्ष 2030 से लेकर 2035 की अवधि के लिए किए गए 500 अतिरिक्त विमानों के पक्के ऑर्डर के साथ ही एयरलाइन की ऑर्डरबुक में करीब 1,000 विमान हो चुके हैं जिनकी आपूर्ति अगले एक दशक में की जाएगी। इंडिगो के नए विमान ऑर्डर में ए320 नियो, ए321 नियो और ए321 एक्सएलआर विमान शामिल हैं। विमानन कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने विमानों की खरीद के संदर्भ में आए प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के बाद एयरबस की पेशकश पर सहमति जताई। उसने कहा कि इस सौदे से इंडिगो और एयरबस के रणनीतिक संबंधों में अभूतपूर्व गहराई एवं व्यापकता आएगी। एयरबस के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी एवं अंतरराष्ट्रीय कारोबार प्रमुख क्रिस्टियन शेरर ने एक बयान में कहा, ''हमें इस साझेदारी के जरिये भारत के घरेलू नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय बाजार में हवाई संपर्क के विस्तार में अपना योगदान देने का इंतजार है।

यूरिया को भी अन्य उर्वरकों की तरह एनबीएस प्रणाली में लाया जाना जरूरी

नई दिल्ली ।

कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) ने हाल ही में यह अनुशंसा की है कि सबसे आम इस्तेमाल वाले उर्वरक यानी यूरिया को भी अन्य उर्वरकों की तरह पोषण आधारित सब्सिडी (एनबीएस) प्रणाली के तहत लाया जाना चाहिए। इस मांग का लक्ष्य यही है कि नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश और पौधों को पोषण देने वाले अन्य पोषक तत्त्वों से बने उर्वरकों की कीमतों में समता स्थापित की जा सके ताकि उनका संतुलित और जरूरत के मुताबिक इस्तेमाल किया जा सके।

अन्य उर्वरकों की तुलना में यूरिया की अनावश्यक रूप से कम कीमत के परिणामस्वरूप नाइट्रोजन का अत्यधिक इस्तेमाल होने लगा तथा समान महत्त्व वाले अन्य पोषकों के इस्तेमाल में कमी देखने को मिली। इनमें से कुछ अहम सूक्ष्म और द्वितीयक पोषक भी हैं जिनका इस्तेमाल पौधों में किया जाता है। मिट्टी की सेहत तथा उसकी उर्वरता पर भी इनका गलत असर हुआ है। इससे उतनी ही फसल हासिल करने के लिए पोषक तत्त्वों की ऊंची खुराक का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। अगर हालात ऐसे ही बने रहे तो यह खेती के लिए अच्छा नहीं होगा। खासतौर पर कृषि से होने वाला मुनाफा प्रभावित होगा जो पहले ही काफी कठिनाइयों से जूझ रहा है। यूरिया पर सीएसीपी की सलाह न तो नई है और न ही वह कुछ अलग है। कृषि वैज्ञानिक 2010 में एनबीएस व्यवस्था की अवधारणा सामने आने के बाद से ही इसकी मांग करते रहे हैं ताकि उर्वरक सब्सिडी में समता स्थापित की जा सके।

पीसीबी के अगले अध्यक्ष नहीं होंगे नजम सेठी, घमासान के बीच 6 महीने भी नहीं संभाल सके कुर्सी

लाहौर (एजेंसी)। एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में जोरदार घमासान मचा हुआ है। एक तरफ एशिया कप के आयोजन को लेकर लगातार सुर्खियां बन रही है। इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट में नई समस्या आ गई है। इसके साथ ही ये साफ हो गया है कि पाकिस्तान क्रिकेट में इन दिनों कई तरह की उथल पुथल देखने को मिल रही है।

बता दें कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अंतरिम प्रमुख नजम सेठी ने पीसीबी अध्यक्ष पद की दौड़ से हटने का ऐलान कर दिया है। यानी वो सिर्फ छह महीने तक ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की जिम्मेदारी संभालने के बाद इस पद से हट जाएंगे। उन्होंने साफ किया है कि वो बोर्ड में स्थायी पद पर नहीं रहना चाहते है।

गौरतलब है कि रमीज राजा को हटाकर ही नजम सेठी ने पीसीबी के अंतरिम अध्यक्ष पद की कुर्सी हासिल की थी। इस संबंध में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अंतरिम प्रमुख नजम सेठी ने पीसीबी अध्यक्ष पद की दौड़ से हटते हुए मंगलवार को कहा कि वह बोर्ड में स्थायी पद नहीं चाहते। सेठी ने कहा कि वह देश के आला राजनेताओं (पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष आसिफ जरदारी और प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ) के बीच मतभेद का कारण नहीं बनना चाहते। यानी नजम सेठी जरदारी और शरीफ के बीच किसी तरह के विवाद का विषय बनने के लिए तैयार नहीं है। वहीं इसके बाद पीसीबी के अगले अध्यक्ष पद के लिये जाका अशरफ का रास्ता साफ हो गया।

ट्वीट कर दी जानकारी

सेठी ने देर रात ट्वीट किया, ''सभी को सलाम। मैं आसिफ जरदारी और शाहबाज शरीफ के बीच लड़ाई का कारण नहीं बनना चाहता। पीसीबी के लिये इतनी अनिश्चितता और अस्थिरता अच्छी नहीं है। इन हालात में मैं पीसीबी के अगले अध्यक्ष पद का दावेदार नहीं हूं। सभी को शुभकामनायें।'' हाल ही में पाकिस्तान में सत्तारूढ गठजोड़ सरकार में टकराव की नौबत आ गई जब पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी दोनों ने अपने नुमाइंदे को पीसीबी अध्यक्ष पद की दावेदारी में उतारने की बात कही।

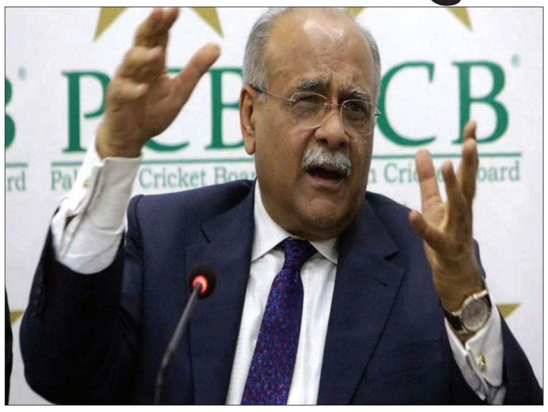

इंडोनेशिया ओपन 2023 जीतने के बाद चिराग-सात्विक करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। इंडोनेशिया ओपन जीतने वाली सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ द्वारा जारी ताजा रैंकिंग में कैरियर का सर्वश्रेष्ठ तीसरा स्थान हासिल किया। राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी ने मौजूदा विश्व चैम्पियन मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक को सीधे गेम में हराकर इंडोनेशिया ओपन जीता था। इसके साथ ही यह सुपर 1000 टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी बन गई।

भारतीय जोड़ी ने बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने के साथ स्विस ओपन भी जीता था। पुरूष एकल में किदाम्बी श्रीकांत तीन पायदान चढकर शीर्ष 20 (19वीं रैंकिंग) में पहुंच गए। लक्ष्य सेन दो पायदान चढकर 18वें स्थान पर पहुंच गए। एच एस प्रणय सर्वश्रेष्ठ एकल रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं जो नौवे स्थान पर है।

प्रियांशु राजावत चार पायदान चढकर 30वें स्थान पर पहुंच गए। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू महिला एकल में 12वें और साइना नेहवाल 31वें स्थान पर है। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद 16वें स्थान पर बने हुए हैं। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी 33वें स्थान पर जबकि तनीषा क्रास्टो ओर ईशान भटनागर 38वें स्थान पर हैं।

बीसीसीआई और चयन समिति पर भड़के वेंगसरकर , केवल करोड़ों रुपये कमाना ही उपलब्धि नहीं

-भविष्य के लिए कप्तान तैयार करने और बेंच स्ट्रेंथ पर नहीं है ध्यान

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर निशाना साधा है। वेंगसरकर ने कहा कि केवल आईपीएल से करोड़ों रुपये की कमाई करना ही उसका लक्ष्य नहीं होना चाहिये। पूर्व कप्तान ने चयन समिति को भी नहीं छोड़ा और कहा कि वह अब तक किसी युवा को कप्तान के लिए तैयार नहीं कर पायी है। उन्होंने कहा कि जब भारत की टीमें अलग-अलग दौरे पर जा रही थीं पर शिखर धवन को दूसरे दर्जे की की टीम का कप्तान बनाया गया जबकि किसी युवा को ये जिम्मेदारी दी जा सकती थी। 2021 और 2022 में भारत ने काफी क्रिकेट खेली। तब चयनकर्ताओं ने कप्तान के रूप में अनुभवी धवन को कुछ विदेशी दौरों पर बी टीम के साथ भेजा था। इसी को लेकर वेंगसरकर ने कहा कि तब चयन समिति ने किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी न देकर गलती की थी। इससे उसके पास भविष्य के लिए कप्तान तैयार करने का अवसर था।

वेंगसरकर ने कहा, निराशाजनक बात यह है कि पिछले छह-सात सालों में मैंने जिन चयनकर्ताओं को देखा है, उनमें न तो दृष्टि है, न ही खेल के बारे में गहरी जानकारी है और न ही क्रिकेट की समझ है। धवन को बी टीम का कप्तान बनाकर भेजा था जबकि इन दौरों के समय किसी युवा को कप्तान के लिए तैयार किया जा सकता था। वेंगसरकर ने कहा कि हालांकि बीसीसीआई ने आईपीएल मीडिया अधिकार बेचकर बहुत अधिक कमाई की है पर इसके बाद भी वे सही बेंच स्ट्रेंथ नहीं बना पाए हैं। इसी कारण भारतीय टीम को हाल के दिनों में कई बड़े मैचों में हार का सामना करना पड़ा है क्योंकि कुछ शीर्ष खिलाड़ी बीच में ही चोटिल हो गए थे।

एशेज टेस्ट: आस्ट्रेलिया पहले टेस्ट में जीत से 174 रन दूर, सात विकेट बाकी

बर्मिंघम। (एजेंसी)। जीत के लिये 281 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट के चौथे दिन सोमवार को दूसरी पारी के तीन विकेट 107 रन पर गंवा दिये। अभी भी आस्ट्रेलिया को जीत के लिये 174 रन की जरूरत है और उसके सात विकेट बाकी है। दूसरी पारी में आस्ट्रेलिया को पहलाझटका ओली रॉबिनसन ने दिया जब डेविड वॉर्नर (36) उनकी गेंद पर विकेट के पीछे कैच दे बैठे। इसके बाद स्टुअर्ट ब्रॉड ने मार्नस लाबुशेन (13) और स्टीव स्मिथ (6) दोनों को विकेट के पीछे जॉनी बेयरस्टो के हाथों लपकवाकर आस्ट्रेलिया को दमदार शुरूआत से वंचित कर दिया।

चौथे दिन का खेल समाप्त होने पर उस्मान ख्वाजा 34 और स्कॉट बोलैंड 13 रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले इंग्लैंड की टीम चौथे दिन चाय तक दूसरी पारी में 273 रन पर आउट हो गई। आस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लियोन ने 80 रन देकर चार और कप्तान पैट कमिंस ने 63 रन देकर चार विकेट लिये। ओली रॉबिनसन ने 27 रन की उपयोगी पारी खेली। उन्होंने आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को 141 रन पर आउट करने के बाद उन्हें अपशब्द कहे थे। रॉबिनसन ने नौवें विकेट के लिये स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ 27 रन जोड़े थे।

इंग्लैंड के लिये सबसे सफल टेस्ट गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने टीम को 270 रन के पास पहुंचाया। वह कमिंस की गेंद पर विकेट के पीछे कैच देकर लौटे। इसी मैदान पर 2005 में आस्ट्रेलिया को जीत के लिये 282 रन की जरूरत थी और टीम दो रन से हार गई थी। इस बार उसे 281 रन की जरूरत है और उसके बाद शीर्ष तीन रैंकिंग वाले बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड हैं। इंग्लैंड के पहली पारी के आठ विकेट पर 393 रन के जवाब में आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 386 रन बनाये थे।

43 वर्ष की वीनस विलियम्स ने बर्मिंघम क्लासिक में जीत दर्ज की

बर्मिंघम ।सात बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन वीनस विलियम्स ने 43 वर्ष की उम्र में विश्व रैंकिंग में 697वें स्थान पर रहने के बावजूद अपने पसंदीदा ग्रासकोर्ट पर बर्मिंघम क्लासिक में अप्रत्याशित जीत दर्ज की। वीनस ने 48वीं रैंकिंग वाली कैमिली जियोर्जी को पहले दौर में तीन घंटे से अधिक समय तक चले मैच में 7.6, 4.6, 7.6 से हराया।इस साल के पहले सप्ताह में आकलैंड में हैमस्ट्रिंग में लगी चोट के कारण वीनस छह महीने तक टेनिस से दूर थी।वापसी पर वह नीदरलैंड में लिबेमा ओपन के पहले दौर में 17 वर्ष की सेलाइन नाएफ से हार गई।

इमर्जिंग महिला टी20 एशिया कप : भारत ए टीम फाइनल में पहुंची

मुम्बई ।भारत ए टीम 2023 इमर्जिंग महिला टी20 एशिया कप फाइनल में पहुंच गयी है।श्रीलंका ए टीम के खिलाफ रिजर्व डे पर भी बारिश होने के कारण सेमीफाइनल मैच नहीं होने से भारतीय टीम को अंकों के अधार पर बिना खेले ही फाइनल में जगह मिल गयी।अब भारतीय टीम का मुकाबला बुधवार को खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश ए और पाकिस्तान ए के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा।भारत ए टीम को अब तक इस टूर्नामेंट में एक भी मैच में हार का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

श्रीलंका ए टीम :- दुलानी, एन सेनारत्ने, पी बादलगे, एस निसानसाला, वी गुणारत्ने, सी विमुक्ति, डी विहंगा, एम शेहानी, आर सेवंडी, यू थिमेशानी, के नुथ्यगना, एन सदामिनी, के कविंडी, एम मेथातानंदा, एम मदारा, एन मदुशानी , एस निसानसाला, एस संदीपनी, टी सेवावंडी

इंडिया ए टीम :- श्वेता सहरावत, जी त्रिशा, सौम्या तिवारी, वी दिनेश, एम मलिक, उमा छेत्री, बी अनुषा, कनिका आहूजा, श्रेयंका तिवारी, तीता साधु, मन्नत कश्यप, काशवी गौतम, एम मदीवाला, पार्शवी चोपड़ा, एस यशश्री।

सैफ चैम्पियनशिप: चैम्पियनशिप में निर्धारित दिन ही होगा भारत - पाकिस्तान का मुकाबला

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप का मुकाबला बुधवार को यहां श्री कांतीरावा स्टेडियम पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खेला जायेगा। पाकिस्तान फुटबॉल टीम को सोमवार की रात को भारतीय उच्चायोग से वीजा मिल गया। कर्नाटक प्रदेश फुटबॉल संघ के एक अधिकारी ने बताया ,'' पाकिस्तानी टीम आज शाम या रात को यहां पहुंच सकती है। मैच बुधवार को शाम 7 . 30 पर खेला जाना है। एआईएफएफ स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और हमें यकीन है कि यह मैच निर्धारित समय पर ही होगा।''

मैच यहां श्री कांतीरावा स्टेडियम पर शाम 7 . 30 से खेला जायेगा। पाकिस्तानी टीम मॉरीशस में एक टूर्नामेंट खेलने गई थी और उसकी रवानगी में विलंब हो गया क्योंकि पिछले सप्ताह भारतीय दूतावास बंद था और वीजा को मंजूरी नहीं मिल सकी। पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ ने अपने देश के राष्ट्रीय खेल बोर्ड को समय पर एनओसी नहीं देने के लिये दोषी ठहराया था। वहीं खेल बोर्ड ने कहा कि महासंघ ने इस्तावेज जमा करने में विलंब किया जिसकी वजह से देर हुई।

एशियाई खेलों के लिए आंदोलनकारी पहलवान कर रहे तैयारी, शुरू की प्रैक्टिस, आईओए लेने जा रहा ये फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों को देखते हुए देश के दिग्गज पहलवानों ने प्रदर्शन को दरकिनार करते हुए अब प्रैक्टिस की शुरुआत कर दी है। एशियाई खेलों का आयोजन चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से होगा जिसके लिए खिलाड़ियों ने प्रैक्टिस पर ध्यान देना शुरू कर दिया है।

जल्द ही एशियाई खेलों की शुरुआत होने वाली है जिसके लिए तैयारी करने में अब देश के दिग्गज पहलवान भी जुट गए है। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाने वाले पहलवानों में शामिल विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया, गीता फोगाट आदि ने अब आगामी टूर्नामेंट एशियाई खेलों के लिए प्रैक्टिस की शुरुआत कर दी है।

जानकारी के मुताबिक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सेंटर में देश के दिग्गज पहलवानों ने प्रैक्टिस करनी शुरू कर दी है। एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के लिए पहलवानों को पहले क्वालिफाई करने के लिए ट्रायल से होकर गुजरना होगा। अब तक ये जानकारी सामने नहीं आई है कि साक्षी मलिक ने भी प्रैक्टिस की शुरुआत कर दी है या नहीं। माना जा रहा है कि प्रैक्टिस शुरू करने के साथ ही सभी पहलवानों से देश के लिए मेडल लाने की उम्मीद उठी है।

एशियाई ओलंपिक परिषद ले सकता है फैसला

बता दें कि संभावना जताई जा रही है कि एशियाई ओलंपिक परिषद एशियाई खेलों के लिए भारतीय कुश्ती टीम के नाम भेजने के लिए 15 जुलाई की समय सीमा और आगे बढाने के अनुरोध को ठुकरा सकता है। इस संबंध में भारतीय ओलंपिक संघ ने अनुरोध किया है। इसके अनुसार भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को बिना तैयारी के ट्रायल देने होंगे क्योंकि लंबे समय तक चले प्रदर्शन के कारण उन्हें अभ्यास का समय नहीं मिला। एशियाई खेल चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से होने हैं और आईओए को खिलाड़ियों के नाम 15 जुलाई तक देने हैं। विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत प्रदर्शनकारी पहलवान ट्रायल की तैयारी करना चाहते थे जिसकी वजह से उन्होंने खेल मंत्रालय से ट्रायल अगस्त में कराने की गुजारिश की थी। आईओए ने शुक्रवार को पहलवानों की ओर से ओसीए से बात की। एक सूत्र ने बताया कि ओसीए के लिये आईओए के अनुरोध को मानना कठिन होगा। उन्होंने कहा,''ओसीए को 40 खेल विधाओं में 45 देशों को एशियाई खेलों में देखना है। ऐसे में आईओए का कुश्ती के लिये समय सीमा बढाने का अनुरोध मानना उसके लिये मुश्किल होगा। चार पांच दिन की बात होती तो गौर किया जा सकता था लेकिन 40-45 दिन के लिये समय सीमा बढाना मुश्किल है।''

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी के पहले मैच में तीन अगस्त को चीन से खेलेगा भारत

चेन्नई ।भारतीय पुरूष हॉकी टीम तीन से 12 अगस्त तक यहां होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में पहले दिन चीन से खेलेगी। मेजबान भारत और चीन मेजर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम पर पहले दिन के आखिरी मैच में आमने सामने होंगे। चीन के बाद भारत का सामना चार अगस्त को जापान से और छह अगस्त को मलेशिया से होगा।इसके एक दिन बाद कोरिया से टक्कर होगी। एशियाई हॉकी महासंघ ने मंगलवार को टूर्नामेंट का कार्यक्रम जारी किया।भारत और पाकिस्तान की टक्कर नौ अगस्त को होगी।छह टीमों के टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान, चीन और भारत शामिल होंगे।सभी टीमें एक ही पूल में है और अंकतालिका के आधार पर उनकी स्थिति तय होगी।गत चैम्पियन कोरिया पहले मैच में जापान से खेलेगा।सेमीफाइनल 11 अगस्त को और फाइनल 12 अगस्त को होगा।भारत (2011, 2016, 2018) और पाकिस्तान (2012, 2013, 2018) तीन तीन बार खिताब जीत चुके हैं।हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी 2023 की मेजबानी चेन्नई में करके काफी खुश हैं।मैं चाहता हूं कि भारतीय टीम शीर्ष पर रहे और बाकी टीमें भी उम्दा प्रदर्शन करें।'

एशियाई खेलों में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे रोहन बोपन्ना और अंकिता

नयी दिल्ली।युगल विशेषज्ञ रोहन बोपन्ना एक बार फिर एशियाई खेलों की टेनिस स्पर्धा में भारतीय उम्मीदों के ध्वजवाहक होंगे। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने मंगलवार को इन खेलों के लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की। एशियाई खेल 23 सितंबर से हांगजोऊ में शुरु होंगे जिसमें पुरुषों की टीम में 43 वर्षीय बोपन्ना के अलावा सुमित नागल, शशिकुमार मुकुंद, डेविस कप खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन, युकी भांबरी और साकेत मायनेनी शामिल हैं। महिलाओं के दल की अगुआई पिछले एशियाई खेलों की एकल कांस्य पदक विजेता अंकिता रैना करेंगी।एआईटीए के बयान के अनुसार टीम की अन्य सदस्य करमन कौर थांडी, रूतुराज भोसले, सहजा यमलापल्ली, वैदेही चौधरी और प्रार्थना थोम्बरे हैं। भारत ने जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीते थे जिसमें बोपन्ना और दिविज शरण की जोड़ी ने कजाखस्तान के एलेक्सजैंडर बुलबिक और डेनिस येव्सेयेव को हराकर युगल स्वर्ण पदक जीता था।पुरुषों के एकल में प्रजनेश गुणेश्वरन ने कांस्य पदक जीता था।पूर्व भारतीय खिलाड़ी रोहित राजपाल को कप्तान नियुक्त किया गया जबकि अंकिता भांबरी महिलाओं की टीम की कप्तान होंगी। बयान के अनुसार, ''पेशेवर चयन समिति (एआईटीए) के चेयरमैन नंदन बाल ने समिति सदस्यों और टीम कप्तानों के महत्वपूर्ण सुझावों पर विचार करने के बाद खिलाड़ियों के नाम की सिफारिश की।

वर्ल्ड गेम्स 2023 में खुला भारत का खाता, पॉवरलिफ्टिंग में टी. विशाल ने दिलाई पहली सफलता

मुम्बई (एजेंसी)। बर्लिन। वर्ल्ड गेम्स 2023 में स्पेशल ओलंपिक भारत की टीम का खाता रजत पदक से खुला है। पावरलिफ्टिंग में टी. विशाल ने इस साल भारत के लिए पहला पदक जीता। विशाल के अलावा कई अन्य एथलीट अपने-अपने इवेंट्स के फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे हैं। पुडुचेरी के 16 वर्षीय विशाल ने पुरुषों के स्क्वाट (122.50 किग्रा), डेडलिफ्ट (155 किग्रा), बेंच प्रेस (85 किग्रा) और कम्बाइंड में रजत पदक जीता और बर्लिन में स्पेशल ओलंपिक वलर्ड गेम्स भारत को पदक तालिका में शामिल किया।

अपने माता-पिता द्वारा पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किए जाने पर, विशाल ने पैरालंपिक खेलों को देखते हुए ही वास्तव में खेल को अपनाया। उन्होंने तुरंत अपने माता-पिता से उनके लिए एक कोच खोजने के लिए कहा जो उन्हें तकनीक और खेल से जुड़ी जरूरी बातें सिखा सके। इस खेल के साथ पूरे जुनून से जुड़ने के बाद विशाल ने इंटरनेट को उन वीडियो को खोजने के लिए भी खंगाल डाला जो उन्हें बेहतर बनाने में मदद कर सकते थ। यहां से विशाल के लिए यह खेल खतरनाक जुनून बन गया था।

विशाल के पिता को जब अपने बेटे के जुनून के बारे में पता चला तो उन्होंने स्पेशल ओलंपिक भारत के बारे में पता लगाया। उन्होंने इलाके के कोचों और निदेशक से बात की और पूछा कि क्या उन्हें प्रोग्राम में शामिल करने का कोई तरीका है। घर के भीतर हालांकि इन बातों को लेकर हमेशा प्रतिरोध था क्योंकि विशाल की मां एक स्कूल शिक्षिका हैं। उनके अपने परिवार ने उन पर दबाव डाला कि वह आसानी से यह स्वीकार न करे कि विशाल एक विशेष आवश्यकता वाला एथलीट था।

एसओ भारत पुडुचेरी एरिया डायरेक्ट चित्रा शाह कहती हैं, 'अभी भी, जब हम उसके रिजल्ट्स पर चर्चा करते हैं या उससे इस तथ्य के बारे में बात करते हैं कि वह एक विशेष आवश्यकता वाला बच्चा है, तो अक्सर उसकी मां द्वारा कुछ प्रतिरोध दिखाई जाती है। हमने उन्हें न केवल यह स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया बल्कि विशाल को हमारे यहां आने और खेलने देने के साथ-साथ हमारे प्रोग्राम के अंदर खेल का आनंद लेने की आजादी देने के लिए कहा। इससे उसे अपने साथियों के ग्रुप के साथ परफॉर्म करते हुए बेहतर होने में मदद मिलेगी। साथ ही वह सामाजिक रूप से एडजस्ट हो सकेगा।'

विशाल के कोच और चित्रा कहती हैं कि विशाल का विकास देरी से हुआ है और खेलों में आने से उसकी खुद की पहचान बनाने की भावना में काफी सुधार हुआ है। भारी वजन उठाना और वह भी अपनी उम्र के अधिकांश बच्चों की क्षमताओं से परे जाकर, ने उसकी शारीरिक क्षमताओं की सीमाओं को आगे बढ़ाया है और इससे उसे अपने आसपास की दुनिया के साथ काम करने में मदद मिली है। और अब जबकि उसने रजत पदक जीत लिया है, सबसे पहला संदेश और प्यार मां की ओर से आया है है, जो कि फोन पर बात करते हुए अपनी भावनाओं का इजहार करते हुए खुशी और गर्व से भरी हुई दिख रही थीं।

विशाल ने टोन सेट कर दिया है और इसी पर चलते हुए कई अन्य भारतीय भी पदक की दौड़ में शामिल हो गए हैं। कई भारतीयों ने विभिन्न खेलों में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। अगर ट्रैक क बात करें तो 800 मीटर धावक आसिफ मलानूर (लेवल बी), सोहम राजपूत (लेवल सी) और गीतांजलि नागवेकर (लेवल डी) अपने इवेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं जबकि लिबिन मल्लिका राजकुमार (लेवल बी) 200 मीटर में फाइनल में पहुंचे हैं। इसी तरह पुरुषों की 4×400 मीटर टीम ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

नगरचर्या कर निज मंदिर लौटे भगवान जगन्नाथ जी, शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई रथयात्रा

अहमदाबाद।
अषाढी दूज के अवसर पर अपने भक्तों को दर्शन देने निकले भगवान जगन्नाथजी के देर रात निज मंदिर में लौटन के साथ ही 146वीं रथयात्रा हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। सुबह नगर यात्रा पर निकले भगवान जगन्नाथजी लाखों श्रद्धालुओं को दर्शन देते हुए रात करीब 8 बजे निज मंदिर लौट आए। अहमदाबाद के जमालपुर क्षेत्र स्थित जगन्नाथजी के मंदिर में शुक्रवार की सुबह केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने तड़के मंगला की। मंगला आरती के बाद भगवान को खीचड़ी, कद्दू, गुवार फली और दही का विशिष्ट भोग लगाया गया। जिसके पश्चात भगवान जगन्नाथजी, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलरामजी 72 साल बाद तीन अलग अलग नए रथों पर बिराजमान हुए। भगवान के रथ में सवार होने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने पहिन्द, सोने की झाड़ू से रास्ते की प्रतीकात्मक सफाई की और 146वीं ऐतिहासिक रथयात्रा का प्रारंभ करवाया। सुबह प्रारंभ हुई जगन्नाथजी की रथयात्रा में गजराज, भारतीय संस्कृति की दर्शन कराते ट्रक और टेब्लो, कई अखाड़े, भजन और रास मंडलियां, म्यूजिकल बैंड, खलासी और देश के विभिन्न तीर्थ स्थलों से आए साधु-संतों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथयात्रा में शामिल हुए। शहर के मार्ग पर भगवान जगन्नाथजी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। जय रणछोड़-माखन चोर के गगनभेदी जयकारे से समूचा शहर गूंज उठा। जमालपुर से सुबह प्रारंभ हुई भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा शहर के जमालपुर चकला, वैश्यसभा, गोल लीमडा होते हुए अहमदाबाद महानगर पालिका कचहरी पहुंची। जहां अहमदाबाद के महापौर किरीट परमार ने रथयात्रा समेत जगन्नाथजी मंदिर के महंत दिलीपदासजी महाराज का स्वागत किया। मनपा कचहरी से प्रस्थान करने के बाद रथयात्रा आस्टोडिया चकला, मदन गोपाल की हवेली, रायपुर चकला, खाडिया दरवाजा, खाडिया चार रास्ता, पांचकूवा, कालूपुर सर्कल से कालूपुर ब्रिज होते हुए दोपहर को भगवान जगन्नाथजी के ननिहाल सरसपुर पहुंची। भगवान जगन्नाथजी के सरसपुर स्थित ननिहाल में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कुछ देर के विश्राम के बाद भगवान जगन्नाथजी ने निज मंदिर की ओर प्रस्थान किया और कालूपुर ब्रिज, कालूपुर सर्कल से होते हुए प्रेम दरवाजा, जोर्डन रोड, दिल्ली दरवाजा, हलीम की खड़की, शाहपुर दरवाजा, शाहपुर चकला, घीकांटा रोड, पानकोर नाका, माणेक चौक, गोल लीमडा, खमासा और जमालपुर दरवाजा से होते हुए देर रात मंदिर लौट आए। 18 किलोमीटर लंबे रूट की रथयात्रा के दौरान शहर की सड़कों पर श्रद्धालुओं को सैलाब उमड़ पड़ा। जय रणछोड़-माखन चोर के जयकारे से शहर गली-मुहल्ले गूंज उठे। रथयात्रा के दौरान मूंग, जामून, ककड़ी के अलावा चॉकलेट इत्यादि श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप वितरण किया गया। अहमदाबाद में रथयात्रा के पूरे रूट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। खासकर शहर के शाहपुर और दरियापुर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता रखी गई। रथयात्रा को लेकर शहर के दरियापुर और शाहपुर क्षेत्र को अतिसंवेदनशील क्षेत्र माना जाता है और इन दोनों इलाकों में सुरक्षा के खास इंतजाम किए जाते हैं। रथयात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में विभिन्न रैंक के 25 हजार से अधिक जवान तैनात हैं। जिसमें 11 आईजी, 50 एसपी, 100 डीवायएसपी, 300 से ज्यादा पीआई, 800 पीएसआई के अलावा एसआरपी व सीआरपीएफ की 35 टुकडियां और 6 हजार होमगार्ड के जवान तैनात हैं। साथ ही रथयात्रा में पहली बार एन्टी गन ड्रोन का भी उपयोग किया गया। भगवान जगन्नाथ जी की 146वीं ऐतिहासिक रथयात्रा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने से पुलिस-प्रशासन ने राहत की सांस ली।

तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पार कर रहे अधेड़ को कुचला, घटनास्थल पर हुई मौत

सूरत।
शहर में आए दिन वाहन चालकों की लापरवाही किसी न किसी की जान चली जाती है, बावजूद इसके कोई ऐसी घटनाओं से सबक नहीं लेता। आज एक और ऐसी ही घटना पांडेसरा क्षेत्र से सामने आई है, जिसमें 55 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब अधेड़ सड़क पार कर रहे थे और तेज रफ्तार ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। जानकारी के मुताबिक उड़ीसा के मूल निवासी 55 वर्षीय संतोष राउत फिलहाल सूरत के पांडेसरा क्षेत्र में रहते थे और लूम्स की फैक्ट्री में काम करते थे। संतोष राउत के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। जबकि अन्य परिवार उडीसा में रहता है। संतोष राउत सूरत के लूम्स के कारखाने में काम कर परिवार का जीवनयापन करते थे। नाइट ड्यूटी के बाद संतोष राउत आज सुबह अपने घर लौट रहे थे। उस वक्त पांडेसरा के दक्षेश्वर सर्कल के निकट सड़क पार करते समय एक ट्रक ने संतोष राउत को कुचल दिया। ट्रक के पहिए संतोष राउत को रौंदते हुए आगे बढ़ गए। इस हादसे में संतोष राउत की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि ड्राइवर अपने ट्रको को घटनास्थल से फरार हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही ट्रक को अपने कब्जे लेकर फरार ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी। बता दें कि बीते दिन भी ऐसी ही घटना में बाइक सवार महिला की मौत हो गई थी। जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया था। सूरत के सचिन क्षेत्र के कनकपुर दमणगंगा बिल्डिंग निवासी राकेश मिश्रा अपनी पत्नी माधुरी मिश्रा के साथ मोटर साइकिल पर घर से कोसंबा की ओर जा रहे थे। रास्ते में सचिन के एप्रल पार्क रोड पर पीछे से आए डम्पर ने बाइक सवार दंपत्ति को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में माधुरी मिश्रा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि राकेश मिश्रा के घायल होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

'आप' ने वशराम सागठिया को पार्टी से किया निष्कासित

अहमदाबाद ।
आम आदमी पार्टी (आप) ने राजकोट के वार्ड 15 के नगर पार्षद वशराम सागठिया को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में आप ने यह कार्यवाही की है। बता दें कि दो दिन पहले वशराम सागठिया गुजरात कांग्रेस के नवनियुक्त प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल की पदयात्रा में शामिल हुए थे। इसका वीडियो वायरल होने के बाद अटकलें लगाई जा रही थीं कि वशराम सागठिया कांग्रेस जॉइन कर सकते हैं। वशराम सागठिया वर्षों से कांग्रेस के साथ जुड़े रहे। पूर्व विधायक इंद्रनील राज्यगुरु ने जब आप जॉइन की थी तो वशराम सागठिया भी कांग्रेस छोड़ आप में शामिल हो गए थे। हांलाकि कुछ समय बाद इंद्रनील राज्यगुरु ने आप छोड़ दी और वापस कांग्रेस में शामिल हो गए। लेकिन वशराम सागठिया आप में बने रहे। शनिवार को शक्तिसिंह गोहिल की पदयात्रा का वीडियो सामने आया। जिसमें वशराम सागठिया गोहिल की पदयात्रा में शामिल थे। जिसके बाद से वशराम सागठिया की घर वापसी की अटकलें तेज हो गई हैं। पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में आप ने वशराम सागठिया ने पार्टी के सभी पदों से उन्हें बर्खास्त कर दिया है। बोटाद जिले की पालियाद गांव के मूल निवासी वशराम सागठिया फिलहाल राजकोट के वार्ड नंबर 15 के नगर पार्षद हैं। गत विधानसभा चुनाव में आप ने वशराम सागठिया को राजकोट ग्रामीण सीट से उम्मीदवार बनाया था। लेकिन भाजपा उम्मीदवार ने वशराम सागठिया को हरा दिया था।

पीएम मोदी ने भारत की संस्कृति, परंपरा और विरासत को विश्व-मंच तक पहुंचाने का काम किया: केन्द्रीय मंत्री

गांधीनगर । गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अषाढ़ी दूज के पावन अवसर पर मंगलवार को अपने लोकसभा क्षेत्र में कुल 73 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी। अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) के विभिन्न जनोन्मुखी विकास कार्यों का केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से लोकार्पण किया गया। इसके अंतर्गत आज सिंधु भवन क्षेत्र में भारतीय रियल एस्टेट डेवलपर्स संघों का परिसंघ (क्रेडाई) अहमदाबाद सीएसआर (कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) फाउंडेशन की ओर से विकसित किए गए एएमसी गार्डन-पीपुल्स पार्क (पीपीपी मॉडल गार्डन) का भी लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सभी लोगों को अषाढ़ी दूज और कच्छी नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तेजी से बढ़ रहे शहरीकरण के खिलाफ पर्यावरण और प्रकृति का ख्याल रखकर शहरीजनों के लिए बनाए गए इस सुंदर गार्डन के लोकार्पण अवसर पर क्रेडाई गाइहेड का आभार व्यक्त करता हूं। क्रेडाई गाइहेड द्वारा योजना पूर्वक बनाया गया और अनुरक्षित किया जाने वाला यह पार्क के आसपास के क्षेत्र के नागरिकों के लिए स्वास्थ्य को बनाए रखने के साथ ही फुर्सत के पल बिताने का महत्वपूर्ण स्थान सिद्ध होगा। योग दिवस एवं योगविद्या के वैश्विक महत्व के संबंध में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा कि कल यानी बुधवार को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा, तब हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट में योग दिवस मनाने वाले दुनिया के पहले प्रधानमंत्री बनेंगे। माननीय नरेन्द्रभाई ने भारत की संस्कृति, परंपरा और विरासत को दुनिया तक पहुंचाने का काम किया है। योग दिवस इन्हीं में से एक कार्य है। हमारे ऋषि मुनियों द्वारा दी गई इस उत्कृष्ट विद्या को जनसाधारण तक पहुंचाने के लिए तथा योग को जनांदोलन एवं जनअभियान बने के लिए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रयास किए गए, जिसके कारण 2014 से लेकर आज तक अनेक लोग योग के साथ जुड़े और दवा मुक्त निरोगी जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के लगभग 170 देशों ने योगविद्या को अपनाया है। केंद्र सरकार के सुशासन के 9 वर्षों के विषय में बात करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 में जब देश की जनता ने पूर्ण बहुमत के साथ माननीय नरेन्द्र मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाया, तब देश में अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन की आवश्यकता थी। प्रधानमंत्री ने पिछले 9 वर्षों में देश में सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, मैन्यूफैक्चरिंग, गरीब कल्याण, विदेशी संबंध, शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी), कृषि और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित प्रत्येक क्षेत्र में पथप्रदर्शक निर्णय और जनाभिमुख कार्यों से सभी लोगों को साथ लेकर समावेशी विकास के माध्यम से आमूलचूल परिवर्तन किए हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के सीमावर्ती गांवों सहित अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचा है। अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के सुचारु कार्यान्वयन के जरिए आज जनसाधारण को दैनिक जीवन निर्वाह के लिए बुनियादी जरूरतें काफी आसनी से उपलब्ध हो रही है। श्री शाह ने कहा कि, "आज मेरे लोकसभा क्षेत्र के चांदलोडिया वार्ड में 66.72 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित रेलवे ओवरब्रिज तथा थलतेज और राणीप वार्ड में सुंदर गार्डन के कार्य जनता को समर्पित किए गए हैं। इसके अलावा, कुल 5,42,000 पौधे लगाकर और उनका जतन कर गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र को हरा-भरा लोकसभा क्षेत्र बनाया गया है।" उन्होंने कहा कि, "गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में कुल 14,000 करोड़ रुपए के विकास कार्य पूर्ण करने के लिए मैं एएमसी और गुजरात सरकार का भी आभार व्यक्त करता हूं।"

INIFD द्वारा फैशन शो और वार्षिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। प्रसिद्ध फैशन संस्थान INIFD द्वारा सोमवार को सरसाना प्लेटिनम हॉल में एक फैशन शो और 24वां वार्षिक फैशन पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में INIFD के सीईओ ग्लोबल श्री अनिल खोसला विशेष रूप से उपस्थित रहे और सभी का उत्साह बढ़ाया। साथ ही फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र की जानी- मानी हस्तियां अनुज शर्मा, दीपक गोलानी, सीमा कलवाडिया, मनीषा रेशमवाला और अनु बचकानीवाला मौजूद रहीं। फैशन शो में 11 अलग- अलग सिक्वेंस पर INIFD सूरत के छात्रों द्वारा तैयार किए सर्वश्रेष्ठ परिधानों का प्रदर्शन किया गया। विभिन्न विषयों पर डिजाइन किए गए इन परिधानों को तैयार करने के लिए प्रोफेशनल मेंटर्स द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। वर्ष के दौरान सर्वश्रेष्ठ कलेक्शन प्रस्तुत करने वाले छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में INIFD सूरत के मैनेजिंग डायरेक्टर परेश पटेल के साथ ही INIFD गांधीनगर, राजकोट और बड़ौदा ब्रांच के डायरेक्टर भी उपस्थित थे।

स्कूल फ्रेंड से प्यार और शादी कर पछताई युवती, वजह सुनकर चौंक जाएंगे आप

अहमदाबाद।
मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया का चलन के साथ दूषण भी तेजी से बढ़ रहा है। जिसे देख ऐसा लगता है टेक्नोलोजी का लाभ कम और हानि ज्यादा है। मोबाइल पर अश्लील फिल्में देखना और उसे देख सेक्स की भूख व्यक्ति को गलत रास्ते पर ले जाती है। कई बार तो पोर्न फिल्मों के कारण दांपत्य जीवन तहस नहस हो जाता है। ऐसी ही एक घटना अहमदाबाद के पॉश इलाके से सामने आई है, जिसमें एक युवती को अपने स्कूल फ्रेंड से प्यार शादी करने का पछतावा हो रहा है। अहमदाबाद के थलतेज क्षेत्र में रहनवाली एक युवती को स्कूल फ्रेंड के साथ फेसबुक के जरिए फिर एक बार परिचय हुआ, जो बाद में प्यार में तब्दील हो गया। इस प्यार में युगल ने सारी सीमाएं लांघ दी। हांलाकि बाद में परिवार की मर्जी से दोनों ने वर्ष 2019 में शादी भी कर ली। यहां तक तो सब कुछ ठीक रहा है, लेकिन शादी के बाद लड़ाई झगड़े शुरू हो गए। दरअसल शादी से पहले ही दोनों ने अनेकों बार शारीरिक संबंध बनाए थे। जिसकी वजह से पति को पत्नी में कोई रुचि रही हो या नहीं या फिर कोई अन्य कारणों से दोनों के बीच रोज लड़ाई झगड़े होने लगे। पत्नी जब भी अपने पति के करीब जाने का प्रयास करती तब वह कहता कि तू इतनी मोटी हो गई है कि तेरे साथ शारीरिक संबंध बनाने में कोई मजा नहीं आती। तूझे देख फिजिकल रिलेशन की इच्छा भी मर जाती है। यह सुनकर पत्नी के होश उड़ गए। प्यार को पाने के लिए अपने परिवार को छोड़कर आई युवती पर मानो आसमान टूट पड़ा। शादी के बाद छोटी-मोटी बातों को लेकर पति और ससुराल वाले विवाहिता को शारीरिक और मानसिक यातनाएं देने लगे। इतना ही नहीं किसी न किसी बहाने विवाहिता को अपने मायके से रुपए ले आने की मांग करने लगे। जानकारी है कि शादी के बाद पहली ही रात को ससुरालवालों ने विवाहिता के सभी आभूषण ले लिए थे। जिसके बाद नया घर लेने के लिए उसके मायके से रुपए लाने की मांग करने लगे। दूसरी ओर विवाहिता का पति उसकी मौजूदगी में अन्य युवतियों से फोन पर बात करता और रातभर अय्याशी करता रहता। जिसमें सास और ससुर भी उसका साथ देते। जब नए घर में शिफ्ट हुए तब सास और ससुर ने विवाहिता से कहा कि तेरे मायके वालों ने घर खरीदने के लिए रुपए नहीं दिए इसलिए तुझे इस घर में रहने का कोई अधिकार नहीं है।

एचएमए एग्रो का आईपीओ 23 जून 2023 को बंध होगा

राष्ट्रीय।
एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एचएआईएल) एचएमए ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी है। यह समूह चार दशकों से अधिक समय से मांस उद्योग में है। कंपनी के पास भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त थ्री स्टार एक्सपोर्ट हाउस है। पब्लिक ऑफर में 150 करोड़ रुपये तक के शेयर ("फ्रेश इश्यू") और अपनी हिस्सेदारी बेच रहे शेयरधारकों के 330 करोड़ रुपये तक का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। दोनों को मिलाकर कुल आईपीओ 480 करोड़ रुपये का है। ऑफर के लिए प्राइस बैंड 555 -585 रुपये प्रति इक्विटी शेयर है। बोली या ऑफर शुक्रवार 23 जून 2023 को बंद होगा। इस ऑफर के लिए एंकर या मुख्य निवेशक इसके खुलने से एक दिन पहले यानी सोमवार, 19 जून 2023 को अपनी बोली लगा सकेंगे।

एचएमए एग्रो वर्तमान में भारत से फ्रोजन या भैंस (बुफेलो) के मांस उत्पादों के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक है, जिसकी भारत के फ्रोजन बुफेलो के मांस के कुल निर्यात में 10त्न से अधिक की हिस्सेदारी है। (स्रोत: ब्रिकवर्क्स एनालिटिक्स रिपोर्ट)। कंपनी के उत्पादों को मुख्य रूप से "ब्लैक गोल्ड", "कामिल" और "एचएमए" ब्रांड नाम के तहत पैक किया जाता है और वैश्विक स्तर पर 40 से अधिक देशों में निर्यात किया जाता है। यह भैंस के मांस और इससे जुड़े उत्पादों का कारोबार करती है। गोमांस या सूअर के मांस के विपरीत, भैंस का मांस धार्मिक बाधाओं से मुक्त होता है और इसमें कम वसा और कोलेस्ट्रॉल का अतिरिक्त लाभ होता है। निर्यात के लिए उत्पादित मांस डीबोन और डिग्लैंडेड जमे हुए हलाल भैंस के मांस के रूप में होता है। कंपनी नियामक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित कड़े मानदंडों का पालन करती है जिसमें एपीडा, एफएसएसएआई आदि शामिल हैं।

कनाडा की एसडीएस श्रेणी के लिए आईईएलटीएस में 6 बैंड स्वीकार करने की आईआरसीसी की घोषणा पर हिस्सेधार प्रसन्न हैं

एसडीएस श्रेणी में समग्र आईईएलटीएस बैंड स्कोर 6 की स्वीकार्यता के बारे में इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा, आईआरसीसी द्वारा की गई घोषणा को आईईएलटीएस के मूल्यवान रेफरल भागीदारों से उत्साहपूर्ण और उत्साही प्रतिक्रिया मिली है। इस नए नियम में कहा गया है कि स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम के लिए कनाडा स्टूडेंट परमिट के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को अब परीक्षा के प्रत्येक सेक्शन में न्यूनतम 6 बैंड स्कोर प्राप्त करने की आवश्यकता के बिना न्यूनतम 6 बैंड स्कोर प्राप्त करने की आवश्यकता होगी। यह प्रगतिशील नीति 10 अगस्त 2023 से अस्तित्व में आएगी जो उन छात्रों के लिए अवसरों के द्वार खोलती है जो कनाडा जाना चाहते हैं।

क्षेत्रीय IELTS निदेशक (SA), और IELTS साझा सेवाओं, IDP शिक्षा के विशाल गुप्ता ने हाल ही में पंजाब और गुजरात के कई शहरों में हितधारकों को शामिल करने के लिए दो सप्ताह की यात्रा शुरू की। इस उत्पादक बातचीत के दौरान श्री गुप्ता ने हाल की घोषणा के बारे में पंजाब और गुजरात में 500 से अधिक रेफरल भागीदारों के साथ मूल्यवान अंतर्दृष्टि और अधिक जानकारी साझा की, जिसने अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक समुदाय में उत्साह की प्रवृत्ति पैदा की।

अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, श्री गुप्ता ने कहा, "आईआरसीसी का एसडीएस श्रेणी में समग्र आईईएलटीएस बैंड स्कोर 6 स्वीकार करने का निर्णय एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा। हमें यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हमारे सभी हितधारक इस बदलाव को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि यह परीक्षार्थियों के लिए बहुत बड़ा लाभ है।"

गुजरात में आईडीपी एजुकेशन के कुछ रेफरल पार्टनर- श्री अमित जालान,अंबी एजुकेशन सेंटर प्रा. लिमिटेड, अहमदाबाद; श्री तारल चंद्रेश कुमार शाह, अबैकस अकादमी, अहमदाबाद; मयूर पटेल, सक्सेस ओवरसीज एजुकेशन कंसल्टेंट्स, आनंद; और जय पटेल, जे.वाई. प्रवासी सूरत ने नई नीति पर खुशी जताते हुए कहा, "आईआरसीसी का फैसला गुजरात के छात्रों के लिए गेम चेंजर है। 6 के समग्र आईईएलटीएस बैंड स्कोर को स्वीकार करने से, एसडीएस श्रेणी अधिक प्राप्य हो जाती है, छात्रों के लिए कनाडा में अध्ययन करने के अपने सपनों को आगे बढ़ाने के अवसर बढ़ जाते हैं। हम छात्रों को प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन करने के लिए नवीनतम अपडेट से अवगत रखने के लिए आईडीपी एजुकेशन के सक्रिय दृष्टिकोण की सराहना करते हैं।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)